www.tamsasanket.com
वर्षः 05 || अंक 286 || लखनऊ
सोमवार
19 जनवरी 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा

दैनिक तमसा संकेत

https://epaper.tamsasanket.com
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 06:56
सूर्यास्तः 05:38
अधिकतमः 21°00
न्यूनतमः 12°00

पेज 03

विशेष समाचार
ममदानी की जीत में भारत के लिए ... >> पेज 02
गर्लफ्रेंड के टुकड़े-टुकड़े किए ... >> पेज 04
इरादे कभी-कभी गलत समझ लिए जाते हैं ...

घुसपैठ रोकने के लिए फेंसिंग जरूरी, ममता सरकार जमीन नहीं दे रही

बिहार में जंगलराज रोका, अब बंगाल से विदा करेंगे : मोदी

परिवर्तन

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता/गुवाहाटी। पीएम नरेंद्र मोदी ने रविवार को पश्चिम बंगाल में कहा कि यहां की जनता अब असली परिवर्तन चाहती है। हर कोई 15 साल के महाजंगल राज को बदलना चाहता है। अभी तो बीजेपी-एनडीए ने बिहार में जंगलराज को रोका है। अब टीएमसी के महाजंगलराज को विदा करने के लिए तैयार है। पीएम ने सिंगूर में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा- घुसपैठिए बचाने के लिए टीएमसी किसी भी हद तक जा सकती है। केंद्र सरकार ने कई बार चिट्ठी लिखी कि बॉर्डर पर फेंसिंग के लिए जमीन चाहिए, लेकिन बंगाल सरकार को कोई फर्क नहीं पड़ता क्योंकि घुसपैठिए इनके पक्के वोटर हैं। पीएम ने सिंगूर में 837 करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट्स का शिलान्यास और इनॉगरेशन किया। इससे पहले सुबह पीएम असम में थे। वहां मोदी ने कलियाबोर में 6,957 करोड़ के काजीरंगा एलिवेटेड कॉरिडोर की आधारशिला रखी। पीएम ने दो अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों- डिब्रूगढ़-गोमती नगर (लखनऊ) और कामाख्या-रोहतक को वर्चुअली हरी झंडी दिखाई। बंगाल के नौजवानों, किसानों, माताओं-बहनों की हर संभव सेवा करूं, ये मेरा प्रयास रहता है। यहां की टीएमसी सरकार केंद्र की योजनाओं को आप तक पहुंचने नहीं देती। इनको मोदी से दिक्कत है, ये मुझे समझ आता है लेकिन टीएमसी बंगाल के लोगों से अपनी दुश्मनी निकाल रही है। मोदी ने कलियाबोर में कहा कि इन चुनावों का एक और संदेश है। कांग्रेस की निगेटिव पॉलिटिक्स को देश लगातार नकार रहा है।

मोदी बोले- टीएमसी राज में बेटियां सुरक्षित नहीं है

टीएमसी राज में बेटियां सुरक्षित नहीं है। यहां की शिक्षा व्यवस्था माफिया, भ्रष्टाचारियों के कब्जे में हैं।भाजपा को दिया आपका एक वोट पक्का करेगा कि कॉलेज में रेप-हिंसा की घटनाओं पर लगाम लगे। एक वोट तय करेगा कि बंगाल में संदेशखाली जैसी घटना ना हो। दिल्ली में भी एक ऐसी ही सरकार थी। जो केंद्र की योजनाओं को लागू नहीं होने देती थी। हम कहते रहे दिल्ली के गरीब परिवारों को मुफ्त इलाज देने वाली आयुष्मान योजना लागू करो। उन्होंने नहीं सुना, राजनीतिक हिसाब किताब में लगे रहे। दिल्ली की जनता ने उन्हें सत्ता से बाहर निकाल दिया। मुख्यमंत्री को ही घर भेज दिया।

पीएम बोले- घुसपैठिए टीएमसी के पक्के वोट बैंक हैं

घुसपैठिए बचाने के लिए टीएमसी किसी भी हद तक जा सकती है। केंद्र सरकार ने कई बार चिट्ठी लिखी की बॉर्डर पर फेंसिंग के लिए जमीन चाहिए। लेकिन बंगाल सरकार को कोई फर्क नहीं पड़ता। टीएमसी घुसपैठियों के फर्जी डॉक्यूमेंट बनाती है। जो लोग बीते दशकों में बंगाल में घुलमिल गए हैं, उनकी पहचान करके उन्हें उनके देश वापस भेजना होगा। ये काम आपका एक वोट कर सकता है। टीएमसी का छोटे से छोटा नेता बंगाल का माईबाप समझने लगा है। हुगली को इन्होंने शिक्षक भर्ती घोटाले के लिए बदनाम किया है।

पीएम मोदी गुवाहाटी के सरुसजाई स्टेडियम में आयोजित 'बागुरुम्बा दोहोउ 2026' में शामिल हुए थे। इस दौरान उन्होंने स्थानीय वाद्ययंत्र भी बजाया।

पीएम मोदी बोले- काजीरंगा आने का सौभाग्य मिला

आज फिर काजीरंगा आने का सौभाग्य मिला है। मुझे अपनी पिछली यात्रा याद आ गई। दो वर्ष पहले काजीरंगा में बिताए गए पल मेरे जीवन के बहुत खास अनुभवों में शामिल हैं। मुझे काजीरंगा नेशनल पार्क में रात्रि विश्राम का अवसर मिला था और अगली सुबह एलीफेंट सफारी के दौरान यहां की खूबसूरती को बहुत करीब से महसूस किया था। मुझे हमेशा असम आकर एक अलग ही खुशी मिलती है।

असम में शनिवार को बोले थे- कांग्रेस ने घुसपैठियों से जमीन पर कब्जा कराया

पीएम मोदी गुवाहाटी के सरुसजाई स्टेडियम में आयोजित 'बागुरुम्बा दोहोउ 2026' में शामिल हुए थे। इस दौरान उन्होंने स्थानीय वाद्ययंत्र भी बजाया। पीएम मोदी गुवाहाटी के सरुसजाई स्टेडियम में आयोजित 'बागुरुम्बा दोहोउ 2026' में शामिल हुए थे। इस दौरान उन्होंने स्थानीय वाद्ययंत्र भी बजाया। पीएम मोदी ने असम में शनिवार को कहा कि कांग्रेस असम को अपना नहीं मानती। आजादी के बाद असम के सामने कई चुनौतियां थीं। कांग्रेस ने समस्या का समाधान नहीं निकाला। जब जरूरत अपने लोगों के जख्म भरने, उनकी सेवा करने की थी।

> *पीएम ने कहा बंगाल के कई इलाकों में आबादी का संतुलन बिगड़ रहा है। टीएमसी घुसपैठियों को वोटर बना रही। गरीबों का हक छीना जा रहा है। भाजपा सरकार बनते ही घुसैपटियों पर एक्शन लिया जाएगा। टीएमसी ने यहां आयुष्मान योजना लागू नहीं होने दी। ऐसी पत्थर दिल सरकार की बंगाल से विदाई जरूरी है। टीएमसी वालों को आपकी तकलीफ की कोई चिंता नहीं है। वो अपनी तिजोरी भरने में जुटे हैं। मैं चाहता हूं कि देश की तरह बंगाल के गरीबों को 5 लाख का मुफ्त इलाज मिले, यहां आयुष्मान भारत योजना लागू हो। बंगाल देश का एक मात्र ऐसा राज्य है। यहां ये योजना लागू नहीं होने दी गई है।*

प. बंगाल में मोदी की स्पीच, 3 बड़ी बातें...

- टीएमसी के राज में बेटियां सुरक्षित नहीं हैं। यहां की शिक्षा व्यवस्था माफिया, भ्रष्टाचारियों के कब्जे में है। भाजपा को आपका एक वोट पक्का करेगा कि कॉलेज में रेप-हिंसा की घटनाओं पर लगाम लगे। एक वोट तय करेगा कि बंगाल में संदेशखाली जैसी घटना ना हो।
- टीएमसी का छोटे से छोटा नेता खुद को बंगाल का माईबाप समझने लगा है। हुगली को इन्होंने शिक्षक भर्ती घोटाले के लिए बदनाम किया है। बीजेपी इन्हें सजा दिलाएगी। आपको एक बात याद रखनी है बंगाल में निवेश तभी आएगा। जब यहां माफिया, दंगाइयों को हटाया जाएगा।
- बंगाल के नौजवानों, किसानों, माताओं-बहनों की हर संभव सेवा करूं, ये मेरा प्रयास रहता है। यहां की टीएमसी सरकार केंद्र की योजनाओं को आप तक पहुंचने नहीं देती। इनको मोदी से दिक्कत है, ये मुझे समझ आता है, लेकिन टीएमसी बंगाल के लोगों से अपनी दुश्मनी निकाल रही है।

दावा : शिंदे गुट ने ढाई साल तक बीएमसी मेयर पद मांगा

राउत बोले- शिंदे खुद नहीं चाहते मुंबई में बीजेपी का मेयर हो

तमसा संकेत, एजेंसी

मुंबई। BMC के चुनावी नतीजों से महाराष्ट्र की सियासत में नया पेंच फंस गया है। भाजपा मुंबई में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। पहली बार भाजपा का मेयर बनने के साफ संकेत हैं। हालांकि, एकनाथ शिंदे ने अपने 29 नए पार्षदों को बांद्रा के होटल ताज लैंड्स एंड में शिफ्ट कर दिया है। बाहर कड़ा पहरा है। सूत्रों के मुताबिक शिंदे गुट का कहना है कि 2026 शिवसेना संस्थापक बाला साहेब ठाकरे का जन्म शताब्दी वर्ष है। इसलिए कम से कम ढाई साल शिवसेना का मेयर होना चाहिए।

>> (शेष पेज 04 पर)

> *सूत्रों का कहना है कि हॉर्स-ट्रेडिंग को रोकने के लिए यह सब किया जा रहा है। सभी 29 पार्षदों को बुधवार दोपहर 3 बजे तक होटल में रहने का निर्देश दिया गया है। यानी अगले 3 दिन वहीं रहना होगा। इससे पहले 2017 में नगर निगम चुनावों के बाद अविभाजित शिवसेना ने 7 मनसे कॉर्पोरेटर का दलबदल करवाया था।*

पूरा विपक्ष जुटे तब भी 8 पार्षद कम, मुंबई कांग्रेस में 'गृहयुद्ध'

शिवसेना (यूबीटी) 65 वार्डों के साथ दूसरे स्थान पर रही, जबकि MNS ने 6 सीटें और NCP (एसपी) को 1 सीट मिली है।

'35 करोड़ लोगों की सेहत की जिम्मेदारी उठाता यूपी'

लखनऊ में बोले सीएम योगी, यूपी हेल्थटेक कॉन्क्लेव का किया आगाज

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। यूपी सिर्फ 25 करोड़ की आबादी वाला राज्य ही नहीं, देश के सबसे बड़े हेल्थकेयर कंज्यूमर मार्केट के रूप में ये 35 करोड़ लोगों की स्वास्थ्य आवश्यकताओं का भार वहन करता हैं। इनमें कई पड़ोसी राज्य के मरीज भी शामिल है। जिनका यहां पर इलाज होता है। ये कहना हैं, सीएम योगी आदित्यनाथ का। रविवार को वो लखनऊ में यूपी हेल्थटेक कॉन्क्लेव 1.0 का शुभारंभ करने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रदेश को मेडिकल टेक्नोलॉजी, हेल्थकेयर इनोवेशन और फार्मा मैन्युफेक्चरिंग का राष्ट्रीय और वैश्विक हब बनाने की दिशा में सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ रही है।

>> (शेष पेज 04 पर)

सीएम योगी रविवार को यूपी हेल्थटेक कॉन्क्लेव 1.0 का शुभारंभ करने पहुंचे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले पौने नौ वर्षों में उत्तर प्रदेश ने स्वास्थ्य क्षेत्र में वह परिवर्तन किया है, जिसकी कल्पना पहले संभव नहीं थी। वर्ष 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में सरकारी और निजी क्षेत्र को मिलाकर कुल 40 मेडिकल कॉलेज थे। आज प्रदेश में 81 मेडिकल कॉलेज पूरी तरह क्रियाशील हैं जिससे दूर-दराज के ग्रामीण क्षेत्रों तक निशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं पहुंच रही हैं। सरकार का उद्देश्य केवल भवन खड़े करना नहीं था

फास्ट न्यूज

पूर्व उपराष्ट्रपति धनखड़ की एस्कॉर्ट गाड़ी का एक्सीडेंट

नूंह। हरियाणा के नूंह में पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के काफिले में चल रही एस्कॉर्ट गाड़ी का एक्सीडेंट हो गया। हादसा दिल्ली-जयपुर हाईवे पर एक ट्रक के अचानक ब्रेक लगाने के बाद हुआ। पीछे चल रही एक कार ट्रक में जा घुसी। कार पूरी तरह से आगे से टूट गई और इसका इंजन भी बाहर निकल आया।

हरियाणा के ड्राइवर की ₹10 करोड़ की लॉटरी निकली

रानियां, सिरसा। हरियाणा में सिरसा के रहने वाले पृथ्वी सिंह की 10 करोड़ रुपए की लॉटरी निकली है। पृथ्वी सिंह पेशे से ड्राइवर हैं। उन्होंने पंजाब स्टेट डियर लॉटरी (लोहड़ी मकर संक्रांति बंपर 2026) में पहला इनाम जीतकर सबको हैरान कर दिया। इनाम जीतने की जानकारी मिलने के बाद पृथ्वी सिंह के घर में खुशी का माहौल है। परिवार ने ढोल-नगाड़े बजाकर और नोटों की माला पहनाकर उनका स्वागत किया पृथ्वी सिंह ने कहा कि इन पैसों से वह अपना खुद का काम शुरू करेंगे। वहीं बेटे ने कहा- अब तो थार गाड़ी लेंगे। पृथ्वी सिंह रानियां के पास मोहम्मद-पुरिया गांव के रहने वाले हैं। इनके परिवार में पत्नी सुमन, बेटी रितिका, बेटा दक्ष और पिता देवीलाल हैं।

3 साल पहले गैंगरेप की शिकार युवती की मौत

इंफाल। मणिपुर में 3 मई 2023 में जातीय हिंसा शुरू होने के तुरंत बाद गैंगरेप का शिकार हुई 20 साल की युवती की मौत हो गई है। गैंगरेप के समय वह सिर्फ 18 साल की थी। NDTV के अनुसार, महिला लगभग तीन साल पहले किडनैपिंग और गैंगरेप के सदमे से अब तक उबर नहीं पाई थी। महिला की मां ने बताया कि वह गंभीर रूप से जख्मी हुई थी। गंभीर चोटों के कारण उनकी बेटी को सांस लेने में दिक्कत होने लगी थी।

हिजाब पहनकर आई छात्रा को नहीं मिली एंट्री

शिक्षक भर्ती परीक्षा खत्म होते ही स्टैंड पर भीड़

संघर्ष

तमसा संकेत, एजेंसी

अजमेर। शिक्षक भर्ती परीक्षा में आज से लेवल-2 की परीक्षा हुई। सुबह की पारी में 90.53 प्रतिशत अभ्यर्थी परीक्षा देने पहुंचे थे, जबकि दूसरी पारी में उपस्थिति 88.08 प्रतिशत रही। एग्जाम खत्म होने के बाद अचानक बस स्टैंड पर भीड़ बढ़ गई। अभ्यर्थी बसों में सीट लेने के लिए संघर्ष करते रहे। भरतपुर में तो खिड़कियों से अभ्यर्थी बस में घुसने लगे थे। यह देख रोडवेज कर्मी ने डंडा निकाल लिया और कैंडिडेट्स को धमकाकर बस से उतारा। कई अभ्यर्थी बस की खिड़की पकड़कर लटक गए थे।

शिक्षक भर्ती की पहली पारी का एग्जाम खत्म होने के बाद भरतपुर बस स्टैंड क हाल कुछ ऐसा हो गया था। खिड़की पर लटके कैंडिडेट्स को हटाने के लिए रोडवेज कर्मी को डंडा निकालना पड़ा।

सोनम जेल में फर्श पर सो रहे : गीतांजलि आंगमो

बैरक में टहलने तक की जगह नहीं, सरकार जानती हैं उनके केस में दम नहीं

मांग

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। लद्दाख के एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि आंगमो ने कहा कि सोनम को जेल में फर्श पर कंबल में सोना पड़ा रहा है। उनके पास कोई फर्नीचर नहीं है। उन्होंने कहा कि उनके बैरक में इतनी भी जगह नहीं है कि वे ठीक से टहल सकें। आंगमे ने कहा कि सॉलिसिटर जनरल तारीख पर तारीख मांग रहे हैं क्योंकि उन्हें एहसास हो गया है कि केस में कोई दम नहीं है। गीतांजलि ने न्यूज एजेंसी PTI को दिए इंटरव्यू में ये बाते कहीं। सोनम वांगचुक को 26 सितंबर 2025 को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (NSA) के तहत हिरासत में लिया गया था। यह कार्रवाई लेह में राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची की मांग को लेकर हुए हिंसक प्रदर्शनों के दो दिन बाद की गई थी। इन प्रदर्शनों में चार लोगों की मौत हुई थी और 90 लोग घायल हुए थे। गीतांजलि आंगमो ने बताया कि सोनम जेल के अपने अनुभव पर जो किताब लिख रहे हैं, उसका टाइटल शायद फॉरएवर पॉजिटिव होगा। अगर वह कुछ चींटियों और उनके व्यवहार को देखते हैं।

>> (शेष पेज 04 पर)

पुलिस ने शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद को रोका

साधु को पीटा, पालकी खींच ले गए, शंकराचार्य स्नान नहीं कर पाए

विवाद

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। प्रयागराज माघ मेले में रविवार को मौनी अमावस्या के स्नान के लिए आए शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की पालकी पुलिस ने रोक दी। पुलिस ने उनसे पैदल संगम जाने को कहा। शंकराचार्य के शिष्य नहीं माने और पालकी लेकर आगे बढ़ने लगे। इस पर शिष्यों और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की शुरू हो गई। पुलिस ने कई शिष्यों को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने एक साधु को चौकी में पीटा। इससे शंकराचार्य नाराज हो गए और शिष्यों को छुड़वाने पर अड़ गए। अफसरों ने उन्हें समझाने की कोशिश की, हाथ जोड़े, लेकिन वे नहीं माने। करीब 2 घंटे तक गहमा-गहमी रही।

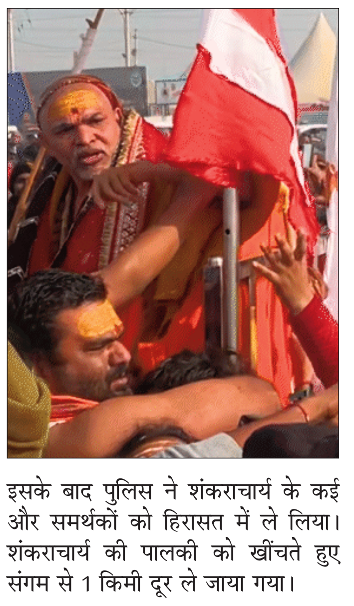

इसके बाद पुलिस ने शंकराचार्य के कई और समर्थकों को हिरासत में ले लिया। शंकराचार्य की पालकी को खींचते हुए संगम से 1 किमी दूर ले जाया गया।

पुलिस ने शंकराचार्य को पैदल जाने को कहा था

विवाद की शुरुआत में पुलिस ने भीड़ को देखते हुए शंकराचार्य को रथ से उतरकर पैदल जाने को कहा था, लेकिन शिष्य नहीं माने और आगे बढ़ने लगे। इस पर बहस हुई, फिर देखते ही देखते धक्का-मुक्की शुरू हो गई। शंकराचार्य शिष्यों को छुड़वाने पर अड़ गए।

शिष्य बोले- प्रशासन शंकराचार्य की हत्या कराना चाहता था

शंकराचार्य के शिष्य देवेंद्र पांडे ने कहा- माघ मेले में भारत के लाखों श्रद्धालुओं नहाने के लिए आए हैं। क्या सभी परमिशन लेकर आए हैं? क्या उन्हीं संतों को नहाने दिया जाएगा, जो परमिशन लेकर आएंगे? क्या जो प्रोटोकॉल में जाएंगे, उन्हीं संतों को घाट उपलब्ध कराया जाएगा? शंकराचार्य जी सहजता से स्नान करना चाहते थे, लेकिन प्रशासन प्री-प्लान के साथ भगदड़ मचाकर शंकराचार्य की हत्या करना चाहता था।

> शंकराचार्य ने कहा- बड़े-बड़े अधिकारी हमारे संतों को मार रहे थे। पहले तो हम लौट रहे थे, लेकिन अब स्नान करेंगे और कहीं नहीं जाएंगे। वे हमें रोक नहीं पाएंगे। इनको ऊपर से आदेश होगा कि इन्हें परेशान करो। यह सरकार के इशारे पर हो रहा है, क्योंकि वे हमसे नाराज हैं। जब महाकुंभ में भगदड़ मची थी, तो मैंने उन्हें जिम्मेदार ठहराया था। अब वे बदला निकालने के लिए अधिकारियों से कह रहे होंगे।"

जम्मू-कश्मीर में आतंकी मुठभेड़ में 7 जवान घायल

किश्तवाड़। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में रविवार दोपहर को आतंकी मुठभेड़ में सेना के 7 जवान घायल हुए हैं। अधिकारियों के मुताबिक 3 जवानों को एयरलिफ्ट करके इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। घटना किश्तवाड़ के ऊपरी जंगली इलाके सोनार की है। यहां सेना की व्हाइट नाइट कोर का आतंकियों के खिलाफ 'ऑपरेशन त्राशी-1' जारी है। इसी दौरान आतंकियों से जवानों की मुठभेड़ हुई। दोनों ओर से फायरिंग की गई। 2-3 से आतंकियों को जवानों ने घेरा था। तभी आतंकियों ने ग्रेनेड से हमला किया। अधिकारियों ने कहा है कि ये आतंकी जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े हो सकते हैं। अधिकारियों के मुताबिक आतंकियों की तलाश अभी भी जारी है। इलाके पर ड्रोन से नजर रखी जा रही है। स्निफर डॉग्स की भी मदद ली गई है। जम्मू-कश्मीर पुलिस, सेना, CRPF सर्चिंग में जुटी है। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में सुरक्षाबलों ने 2 आतंकियों को मार गिराया।

जब तक धर्म भारत का मार्गदर्शन करेगा, देश विश्वगुरु बना रहेगा

धर्म ही मुझे और मोदी को चला रहा : भागवत

तमसा संकेत, एजेंसी

मुंबई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) चीफ मोहन भागवत ने कहा कि धर्म ही मुझे और नरेंद्र मोदी को धर्म ही चला रहा है। उन्होंने कहा कि धर्म पूरे ब्रह्मांड का चालक है। जब सृष्टि अस्तित्व में आई, तो उसके कामकाज को कंट्रोल करने वाले नियम धर्म बन गए। सब कुछ उसी सिद्धांत पर चलता है। उन्होंने आगे कहा कि भारत को अपने संतों और ऋषियों से मार्गदर्शन मिलता रहा है। भागवत ने ये बातें रविवार को छत्रपति संभाजीनगर में RSS के शताब्दी वर्ष को लेकर आयोजित जनसभा में कहीं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के प्रमुख मोहन भागवत ने लोगों से आत्मनिर्भरता और स्वदेशी (लोकल) सामान के इस्तेमाल करने की अपील करते हुए कहा कि जहां तक हो सके।

महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में RSS के कार्यक्रम में मोहन भागवत ने अपनी बात रखी।

भागवत की स्पीच की 5 बड़ी बातें...

- सृष्टि बनने के बाद उसके संचालन के नियम ही धर्म बने और सब कुछ उन्हीं नियमों पर चलता है। दुनिया में आध्यात्मिकता की कमी है, इसलिए ऐसा ज्ञान वहां नहीं मिलता।
- धर्म सिर्फ पूजा-पाठ तक सीमित नहीं है। प्रकृति की हर चीज का अपना कर्तव्य और अनुशासन होता है। कोई राज्य धर्मनिरपेक्ष हो सकता है, लेकिन कोई व्यक्ति या रचना धर्म के बिना नहीं हो सकती।
- जातिगत भेदभाव पर बात करते हुए भागवत ने कहा कि इसे खत्म करने के लिए मन से जाति को मिटाना होगा। पहले जाति काम और पेशे से जुड़ी थी, लेकिन बाद में यह भेदभाव का कारण बन गई।
- भागवत ने कहा कि आरएसएस का लक्ष्य समाज के साथ मिलकर भारत को उसके सर्वोच्च गौरव तक ले जाना है। संघ व्यक्ति के चरित्र निर्माण के जरिए राष्ट्र निर्माण करता है।
- आरएसएस न किसी से प्रतिस्पर्धा करता है और न ही किसी प्रतिक्रिया में बना संगठन है। संघ खुद बड़ा नहीं बनना चाहता, बल्कि पूरे समाज को आगे बढ़ाना चाहता है। जो लोग संघ को समझना चाहते हैं, उन्हें उसकी शाखाओं में आना चाहिए।

सम्पादकीय

वेनेजुएला और ईरान के बाद अब ग्रीनलैंड पर ट्रंप की नजर

ट्रंप वेनेजुएला और ईरान के बाद अब ग्रीनलैंड पर कब्जा करने के इरादे जता रहे हैं, जिससे वैश्विक चिंता बढ़ गई है। ग्रीनलैंड के तेल, गैस और सामरिक महत्व पर उनकी नजर है। ईरान में भी वे अस्थिरता बढ़ा रहे हैं, जिससे उसके सहयोगी देशों पर असर पड़ रहा है। यह लेख अमेरिका की ऐसी नीतियों को विश्व में बढ़ती अस्थिरता का कारण बताता है, जहां संयुक्त राष्ट्र भी असहाय दिख रहा है। संजय गुप्त। अंतरराष्ट्रीय नियम-कानून को धता बताकर वेनेजुएला पर अमेरिका के हमले और वहां के राष्ट्रपति के अपहरण की चर्चा अभी समाप्त भी नहीं हुई थी कि डोनाल्ड ट्रंप ने ग्रीनलैंड पर कब्जा करने का एलान कर दिया। हालांकि ग्रीनलैंड को हासिल करने की बातें उन्होंने पहले भी की थीं, लेकिन तब अंतरराष्ट्रीय समुदाय और विशेष रूप से यूरोप ने उनकी बातों को हल्के में लिया था, लेकिन अब उनकी चिंता बढ़ रही है, क्योंकि ट्रंप डेनमार्क के इस स्वायत्तशासी क्षेत्र पर हर हाल में कब्जे के इरादे जता रहे हैं। इस कारण सैन्य संगठन नाटो में शामिल कुछ यूरोपीय देश अपने सैनिकों को ग्रीनलैंड भेज रहे हैं। ग्रीनलैंड के साथ डेनमार्क के नेताओं ने स्पष्ट कर दिया है कि वे ट्रंप के इरादों को पूरा नहीं होने देंगे, लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति किसी की नहीं सुन रहे हैं। वे नाटो का अंत होने की डेनमार्क की चेतावनी का उपहास उड़ाकर कह रहे हैं कि यदि आज से पांच सौ साल पहले डेनमार्क की कोई नौका ग्रीनलैंड पहुंची तो इसका यह अर्थ नहीं कि वह उसका हो गया। ग्रीनलैंड का क्षेत्रफल भारत के क्षेत्रफल का लगभग 70 प्रतिशत है। यह विश्व का सबसे बड़ा द्वीप है। यहां तेल, गैस और दुर्लभ खनिज के भंडार हैं। यहां की बर्फ पिघलने के कारण इन संसाधनों के दोहन की संभावनाएं बढ़ रही हैं। जाहिर है कि इन पर ट्रंप की भी निगाह है। इसके अलावा इस द्वीप का सामरिक महत्व भी है। चूंकि ग्रीनलैंड के साथ उसके आसपास की भी बर्फ पिघल रही है, इसलिए समुद्री रास्तों से वहां तक रूस और चीन की पहुंच आसान हो रही है। इसी कारण ट्रंप कह रहे हैं कि ग्रीनलैंड पर रूस और चीन की निगाह है। हालांकि अतीत में भी अमेरिका के राष्ट्रपतियों ने ग्रीनलैंड को अपना हिस्सा बनाने की बातें की थीं, पर वे कभी इस दिशा आगे नहीं बढ़े। हां, एक समझौते के तहत 1951 में अमेरिका ने ग्रीनलैंड में अपना सैन्य अड्डा कायम कर लिया। यह अभी भी है। ट्रंप का तर्क है कि रूस और चीन का ग्रीनलैंड पर वर्चस्व कायम हो, इसके पहले अमेरिका को उसे अपना हिस्सा बना लेना चाहिए। रूस का कहना है कि ट्रंप अकारण यह कह रहे हैं कि वह ग्रीनलैंड पर कब्जा करना चाहता है। जो भी हो, आज यह नहीं कहा जा सकता कि रूस या फिर चीन अमेरिका को ग्रीनलैंड पर कब्जा करने से रोक सकेंगे। इसका कारण यह है कि यूरोपीय देश रूस की मदद लेने को तो बिल्कुल भी तैयार नहीं होंगे, क्योंकि वह पहले से ही उनकी सुरक्षा के लिए खतरा बना हुआ है। यूक्रेन के खिलाफ रूस के युद्ध ने यूरोपीय देशों को सशंकित कर रखा है। ऐसे में यदि ट्रंप ग्रीनलैंड पर सच में कब्जा करने की दिशा में आगे बढ़ें तो हैरानी नहीं। डेनमार्क और यूरोपीय देशों के विरोध के बावजूद एक चिंताजनक तथ्य यह है कि अमेरिका में कई सांसद ट्रंप के इस विचार से सहमत हैं कि ग्रीनलैंड को वैसे ही अमेरिका का हिस्सा बनाना चाहिए, जैसे अलास्का को बनाया गया था। कहना कठिन है कि आगे क्या स्थितियां बनेंगी, लेकिन इसमें संदेह नहीं कि ग्रीनलैंड को लेकर ट्रंप के रवैये से यूरोप के साथ-साथ शेष विश्व भी चिंतित है। ट्रंप केवल ग्रीनलैंड में ही कब्जा करने के लिए उतावले नहीं दिख रहे हैं। वे ईरान में भी सैन्य हस्तक्षेप करने के संकेत दे रहे हैं। हालांकि पिछले दिनों उन्होंने यह कहा कि फिलहाल ईरान में दखल देने की जरूरत नहीं, लेकिन उन पर भरोसा नहीं किया जा सकता, क्योंकि यह किसी से छिपा नहीं की ईरान की कट्टरपंथी इस्लामी सत्ता उन्हें स्वीकार नहीं। वास्तव में अमेरिका को वह कोई भी देश रास नहीं आता, जो उसके इशारे पर न चले। अमेरिका ने इस आधार पर ईरान पर तमाम प्रतिबंध लगा रखे हैं कि वह परमाणु हथियार बनाने की कोशिश कर रहा है। इन प्रतिबंधों के कारण ही ईरान आर्थिक संकट से घिरा और उसके चलते वहां लोग सड़कों पर उतर आए। ईरानी सत्ता अपने लोगों की बात सुनने के बजाय उनकी आवाज सख्ती से दबा रही है। इसके चलते वहां सैकड़ों लोग मारे गए हैं। ट्रंप ईरान की उथल-पुथल का लाभ उठाने की कोशिश में दिखते हैं। वे कह रहे हैं कि ईरान के लोग अपना विरोध जारी रखें। ईरान के प्रति ट्रंप के आक्रामक रवैये पर रूस और चीन तो आपत्ति जता रहे हैं, लेकिन यूरोपीय देश ढुलमुल रवैया अपनाए हुए हैं। ट्रंप की ईरान के तेल भंडारों पर भी निगाह है और वे यह नहीं चाहते कि वह अपना तेल व्यापार डॉलर के अलावा अन्य मुद्राओं में करे और इस तरह डॉलर के प्रभुत्व को चुनौती दे। इसके चलते आशंका यही है कि ट्रंप मौका देखकर ईरान में लोकतंत्र बहाली की आड़ में वहां तख्तापलट की कोशिश कर सकते हैं। इसमें ईरान के आखिरी शाह के बेटे रजा पहलवी मददगार हो सकते हैं, जो निर्वासित होकर अमेरिका में रह रहे हैं। उनका कहना है कि वे ईरान लौटेंगे। यदि ट्रंप ने ईरान में हस्तक्षेप किया तो यह देश वैसी ही अस्थिरता से घिर सकता है, जैसे इराक घिर गया था। ध्यान रहे इराक को भी अमेरिका ने मूलतः उसके तेल भंडारों के कारण ही निशाना बनाया था।ट्रंप ईरान के साथ उसके सहयोगियों का भी संकट बढ़ा ही रहे हैं। उन्होंने कहा है कि जो भी देश उससे व्यापार करेंगे, उस पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया जाएगा। ईरान से व्यापार करने वाले प्रमुख देशों में चीन, रूस, संयुक्त अरब अमीरात और भारत हैं। साफ है कि ट्रंप के रवैये से भारत की समस्या भी बढ़ने वाली है। चूंकि ईरान में सामाजिक असंतोष के कारण अस्थिरता व्याप्त है।

ममदानी की जीत में भारत के लिए संदेश

> राजनीतिक विश्लेषक सुनील खिलनानी ने 'द आइडिया ऑफ इंडिया' में लिखा है- 'आधुनिक भारतीय राजनीति अपनी प्रतिमा के लिए राष्ट्रवादी शीर्षस्थ नेताओं की छवि को लूटना जारी रखती है जबकि अपने व्यावहारिक संघर्षों में यह राष्ट्रवादी दुनिया और अपने विशिष्ट स्वभाव से दूर और दूर जाती है।

जोहरान ममदानी ने मैनहट्टन के एक बंद पड़े सबवे में संयुक्त राज्य अमेरिका के सबसे बड़े और सबसे महत्वपूर्ण शहर न्यूयॉर्क के मेयर के रूप में पद की शपथ ली। सबवे में शपथ लेना एक तरह से शहर के श्रमिकों और हाशिए पर रहने वाले लोगों के साथ ममदानी के संबंधों का प्रतीक है। उन्हें डेमोक्रेटिक सीनेटर बर्नी सैंडर्स ने शपथ दिलाई जो अमेरिकी राजनीति में एक महत्वपूर्ण व्यक्ति और लोकतांत्रिक समाजवाद के पथप्रदर्शक हैं। उनके साथ कांग्रेस सदस्य एलेजेंड्रिया कोर्टेज भी थीं। भारतीय मीडिया में उनके ऐतिहासिक शपथ ग्रहण के बारे में शायद ही कोई कवरेज था और न ही इस बात का जिक्र था कि ममदानी के चुनाव का अमेरिकी राजनीति पर क्या प्रभाव पड़ेगा। 34 वर्षीय राजनेता ने 'बिग एप्पल' (न्यूयार्क शहर का उपनाम) का प्रभार संभालने में कई वर्जनाओं को तोड़ दिया जो कि अभिजात वर्ग, अमीरों व अरबपतियों और अमेरिकी यहूदियों का गढ़ है। हालांकि ममदानी और उनकी जीत का भारत में ज्यादा जिक्र नहीं हो रहा है। अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी और दो बार के डेमोक्रेट गवर्नर एंड्रयू कुओमो को 50 प्रतिशत से अधिक वोटों से हराकर शानदार जीत हासिल करने के बावजूद सरकार ने अपने मीडिया संचालकों के माध्यम से ममदानी को गायब करने की कोशिश की। नस्ल, धर्म, जातीयता व आर्थिक पृष्ठभूमि से ऊपर उठकर और बड़े पैमाने पर आप्रवासी टैग वाले दस लाख से अधिक न्यूयॉर्क वासियों ने दुनिया भर में हलचल पैदा करने वाले एक अभूतपूर्व चुनाव में उनके लिए मतदान किया था। यह केवल उनका गृह देश भारत है जिसने अपने 34 वर्षीय बेटे को उसकी अभूतपूर्व जीत पर सलाम नहीं किया जो एक असेंबली सदस्य से अमेरिका के सबसे अमीर शहर का नेतृत्व करने के लिए उभरा है। ममदानी के पास ऐसी कई बातें हैं जो पहली बार हुई हैं। मसलन, एशियाई व अफ्रीकी मूल के पहले अमेरिकी, पहले मुस्लिम और न्यूयॉर्क के सबसे कम उम्र के मेयर। वे 'सलाम बॉम्बे', 'मानसून वेडिंग' और 'नेमसेक' जैसी फिल्मों के साथ विश्व स्तर पर प्रशंसित फिल्म निर्माता मीरा नायर और कोलंबिया विश्वविद्यालय में प्रोफेसर महमूद ममदानी के पुत्र हैं। महमूद ममदानी की किताब 'गुड मुस्लिम बैड मुस्लिम' हफ्तों तक न्यूयॉर्क टाइम्स की बेस्टसेलर बनी रही जो 9/11 के हमले के तुरंत बाद प्रकाशित हुई थी। जोहरान ने कभी भी कुलीन विरासत में पैदा होने का आदर्श नहीं माना है। यह देखते हुए कि न्यूयॉर्क अपनी धरती पर 150 से अधिक राष्ट्रीयताओं की मेजबानी करता है, उन्होंने अप्रवासियों के मुद्दे को उठाया है। धर्मनिरपेक्ष और उदारवादी विचारधारा के ममदानी ने खुद को हर न्यू यॉर्कर की दुर्दशा की परवाह करने वाला दिखाया है। यह देखते हुए कि अमेरिका-इज़रायल पब्लिक अफेयर्स कमेटी (एआईपीएसी) अमेरिका का सबसे बड़ा इज़रायल समर्थक लॉबिंग समूह और न्यूयॉर्क यहूदी फाऊंडेशन ने एंड्रयू कुओमो के समर्थन में सक्रिय भूमिका निभाई थी, ममदानी ने फिलिस्तीनियों के नरसंहार में नेतन्याहू की भूमिका की आलोचना करने के बाद यहूदी विरोधी भावना के आरोपों से खुद को जल्दी ही दूर कर लिया है। हालांकि चुनाव परिणामों में यहूदी वोटों का विभाजन भी देखा गया, युवा पीढ़ी ममदानी के पक्ष में थी जबकि पुराने, हसीदिक और धनी यहूदी एंड्रयू कुओमो के लिए सामूहिक रूप से मतदान कर रहे थे। राष्ट्रपति ट्रम्प द्वारा ममदानी की सार्वजनिक तौर पर की गई तीव्र निंदा, संघीय धन में कटौती करने की धमकी और खुलेतौर पर डेमोक्रेट प्रतिद्वंद्वी कुओमो का समर्थन करने के बावजूद ममदानी की बढ़ती लोकप्रियता में शायद ही कोई सेंध लगी। ममदानी को मार्क्सवादी और राष्ट्र-विरोधी बताते हुए ट्रम्प ने ममदानी के राजनीतिक कैरियर को शुरू होने से पहले ही खत्म करने की कोशिश की। वैसे न्यूयार्क के मेयर ने एक शिष्टाचार बैठक में व्हाइट हाउस में उपस्थित होकर पांसा पलट दिया और सभी न्यूयॉर्कवासियों के हितों को हासिल करने के अपने प्राथमिक उद्देश्य तथा मुफ्त परिवहन और बच्चों की देखभाल, किफायती आवास तथा सरकार द्वारा संचालित किराने की दुकानें प्रदान करने पर जोर दिया जैसा कि उन्होंने अपने चुनाव अभियान में वादा किया था। आश्चर्यजनक रूप से और शायद जनता के मूड को देखते हुए ट्रम्प ने पाला बदल लिया तथा ममदानी को सभी प्रकार के समर्थन का आश्वासन दिया। इस घटना ने वैचारिक रूप से विभाजित दक्षिणपंथी और वामपंथी राजनेताओं के विरोधाभासी चित्रों को दिखाया। एक, जो मतलबी दिमाग, प्रतिशोधी, अप्रत्याशित है और दूसरा, जो चुनौती देने वाला, प्रतिबद्ध तथा निडर है। दक्षिण अमेरिका में मौजूदा उथल-पुथल में ट्रम्प ने सभी अंतरराष्ट्रीय मानदंडों की अवहेलना की और एक संप्रभु देश वेनेजुएला के निर्वाचित राष्ट्रपति और उनकी पत्नी पर 'कब्जा' कर लिया। अमेरिकी प्रणाली सचमुच ढह गई। मीडिया ने घातक चुप्पी साध ली और सत्ता के इस घोर दुरुपयोग के खिलाफ कांग्रेस एवं सुप्रीम कोर्ट बेआवाज़ हो गया। ऐसी स्थिति में आक्रामकता के इस निर्लज्ज कृत्य को 'युद्ध की घोषणा' बताते हुए निंदा करने के लिए ममदानी खड़े हुए। अपने मुखर विचारों के लिए परिचित ममदानी ने खुद को जन-समर्थक विचारधारा के पक्ष में स्थापित किया है। ममदानी ने नरेंद्र मोदी की आलोचना करते हुए उन्हें 'फासीवादी' कहा है। फिलिस्तीनियों की अपनी धरती पर एक शांतिपूर्ण मातृभूमि के अधिकार का आह्वान करते हुए ममदानी ने इज़रायली पीएम नेतन्याहू को न्यूयॉर्क में कभी भी न आने की चेतावनी दी क्योंकि वे नेतन्याहू को हजारों असहाय फिलिस्तीनी महिलाओं, बच्चों, बूढ़ों और बीमारों के नरसंहार के लिए 'मानवता के खिलाफ अपराध' करने के लिए गिरफ्तार करेंगे। ममदानी के पिता कच्छी गुजराती हैं जबकि मां हिंदू पंजाबी हैं। जोहरान एक सीरियाई मुस्लिम से विवाहित हैं। इस प्रकार वे विश्व बंधुत्व का प्रतिनिधित्व करते हैं जो उनके स्पष्ट उदारवादी विचारों में प्रतिध्वनित होता है। इसके बावजूद उन्होंने अपने मुस्लिम वंश की पुष्टि करने के लिए ऐतिहासिक पुराने कुरान पर हाथ रखकर शपथ ली थी। ममदानी ने न्यूयॉर्क के सभी पांच नगरों में बड़ी संख्या में मुसलमानों से मुलाकात की थी और उनके लगभग सर्वसम्मत वोट हासिल किए थे। अंबेडकर एक बार फिर गांधी के खिलाफ खड़ा हो गया है, पटेल को नेहरू के खिलाफ लड़ाई में लाया गया है। यहां तक कि जब वे विभाजित होते हैं तो भी ये संघर्ष स्वयं एक साझा इतिहास, एक सांझी भारतीय अतीत की उपस्थिति की गवाही देते हैं.., ये संघर्ष 1947 से भारत के इतिहास की पहचान हैं।

> अपनी वैचारिक घोषणाओं में ममदानी एक उदार समाजवादी मोर्चे के नजदीक हैं। यह एक बहुसंख्यकवादी राज्य को निरंकुशता की ओर खिसकने से रोकने के खिलाफ़ एक बहुत ही जरूरी रामबाण उपाय है जिसने पिछले एक दशक में लोकतांत्रिक भारत को बदल दिया है। शक्तिशाली और विरोधी वैचारिक गुटों के बीच उभरी दुनिया में अहिंसक स्वतंत्रता संग्राम से स्थापित अपनी धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक साख वाले भारत को एक ममदानी की जरूरत है।

डॉ. मलय मिश्रा

जन सुराज का ...

ललित गर्ग

महाराष्ट्र में भाजपा के विकास एवं विश्वास की निर्णायक जीत

महाराष्ट्र में हाल ही में संपन्न शहरी निकाय चुनाव राज्य की राजनीति की दिशा, प्रवृत्ति और भविष्य का संकेत देने वाला एक बड़ा जनादेश बनकर सामने आए हैं। भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में महायुति गठबंधन की ऐतिहासिक सफलता ने यह स्पष्ट कर दिया है कि महाराष्ट्र की राजनीति अब एक निर्णायक मोड़ पर खड़ी है। यह बदलाव केवल सत्ता के हस्तांतरण तक सीमित नहीं है, बल्कि राजनीतिक सोच, जन अपेक्षाओं और लोकतांत्रिक व्यवहार में गहरे परिवर्तन का द्योतक है। इन चुनावों ने जहां भगवा राजनीति की वैचारिक और संगठनात्मक शक्ति को नए सिरे से रेखांकित किया है, वही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सकारात्मक सोच एवं विकास की राजनीति को आगे बढ़ाया है। यह सफलता ऐसे समय में मिली है जब विधानसभा चुनावों में विपक्ष को करारी शिकस्त दिए जाने को अभी एक वर्ष भी पूरा नहीं हुआ था। इसके बावजूद राज्यव्यापी स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा नीत महायुति गठबंधन का दबदबा यह दर्शाता है कि यह जीत क्षणिक नहीं, बल्कि एक सुदृढ़ राजनीतिक प्रवाह का परिणाम है। इन परिणामों ने राष्ट्र का ध्यान इसलिए अपनी ओर खींचा, क्योंकि इन चुनावों को मिनी विधानसभा चुनावों की संज्ञा दी गई थी। दशकों तक शिवसेना के वर्चस्व का प्रतीक रहे बृहन्मुंबई नगर निगम, यानी बीएमसी में शिवसेना का दशकों पुराना किला ढ़ह गया, बीएमसी एवं राज्यभर के शहरी निकाय चुनाव में भाजपा का सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरना एवं उसका दबदबा कायम होना, एक बड़े राजनीतिक बदलाव का सबसे सशक्त प्रमाण है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की राजनीतिक सोच और कार्यशैली इस पूरे परिदृश्य में एक निर्णायक कारक के रूप में उभरकर सामने आई है। फडणवीस ने महाराष्ट्र की राजनीति को केवल सत्ता संतुलन की सीमाओं में नहीं बांधा, बल्कि उसे दीर्घकालिक विकास दृष्टि से जोड़ा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रहे व्यापक राष्ट्रीय विकास कार्यक्रमों जैसे बुनियादी ढांचे का विस्तार, डिजिटल गवर्नेंस, पारदर्शिता, निवेश अनुकूल वातावरण और सुशासन को उन्होंने राज्य की आवश्यकताओं के अनुरूप जमीन पर उतारने का प्रयास किया है। उनकी राजनीति भावनात्मक उत्तेजना या तात्कालिक लोकप्रियता पर नहीं, बल्कि योजनाबद्ध विकास, प्रशासनिक दक्षता और भविष्य की तैयारी पर आधारित रही है। मुंबई से लेकर विदर्भ और मराठवाड़ा तक विकास की समान अवधारणा, शहरी-ग्रामीण संतुलन और रोजगार सृजन पर जोर उनकी सोच को प्रतिबिंबित करता है। इस महाविजय के पीछे फडणवीस की रणनीति के चार प्रमुख स्तंभ रहे हैं- हिंदुत्व और विकास का संतुलन, लोकल मुद्दों पर फोकस, विपक्ष पर प्रभावी जवाब और जनता के साथ जुडाव। यही कारण है कि स्थानीय निकाय चुनावों में जनता ने उन्हें केवल एक प्रशासक के रूप में नहीं, बल्कि एक दूरदृष्टा नेतृत्वकर्ता के रूप में स्वीकार किया है। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' की जो राष्ट्रीय अवधारणा गढ़ी गई, देवेंद्र फडणवीस ने उसे महाराष्ट्र की राजनीतिक और प्रशासनिक संस्कृति का हिस्सा बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, और यही दृष्टि महायुति की सफलता की वैचारिक रीढ़ बनती दिखाई देती है। बीएमसी का महत्व केवल राजनीतिक प्रतीकात्मकता तक सीमित नहीं है। यह देश का सबसे धनी नगर निगम है, जिसका 2025-26 का बजट 74,427 करोड़ रुपये का है, जो कई छोटे राज्यों के बजट से भी अधिक है। इसीलिये बीएमसी शिवसेना का आर्थिक संबल थी, क्योंकि भ्रष्ट तौर-तरीकों के कारण नगर निकाय का पैसा उसके नेताओं के पास पहुंचता था। बीएमसी के इसी भ्रष्टाचार के कारण मुंबई अंतरराष्ट्रीय शहर के रूप में विकसित नहीं हो पा रही थी। ऐसे में बीएमसी पर नियंत्रण का अर्थ है नीतिगत प्राथमिकताओं, शहरी विकास की दिशा और संसाधनों के उपयोग पर निर्णायक प्रभाव। भाजपा नेतृत्व वाली महायुति की सफलता यह संकेत देती है कि आने वाले वर्षों में मुंबई का प्रशासनिक और विकासात्मक स्वरूप नए सिरे से गढ़ा जाएगा। मुंबई को खराब सडकों, ट्रैफिक जाम और प्रदूषण से त्रस्त शहर की छवि से मुक्त करना भाजपा की पहली प्राथमिकता बननी चाहिए। इन चुनावों का एक और महत्वपूर्ण पहलू यह रहा कि दो दशक बाद ठाकरे परिवार से जुड़ी पार्टियां एकजुट होकर मैदान में उतरीं, फिर भी वे महायुति की लहर को रोकने में असफल रहीं। उद्धव ठाकरे की शिवसेना और राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना की प्रतीकात्मक एकता मतदाताओं को प्रभावित नहीं कर सकी। इसी तरह शरद पवार और अजीत पवार के नेतृत्व वाले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के गुटों का पूणे में गठबंधन भी बुरी तरह विफल रहा।

जस्टिस पंकज ...

रामस्वरूप रावतसरे

आधुनिक हिंदू कानून की व्याख्या में प्राचीन ग्रंथों की भूमिका आज भी प्रासंगिक है

सुप्रीम कोर्ट ने 13 जनवरी 2026 को एक ऐतिहासिक फैसले में विधवा बहू को उसके दिवंगत ससुर की संपत्ति से भरण-पोषण (मेंटेनेंस) पाने के अधिकार को मान्यता दी है। फैसले में कोर्ट ने पारिवारिक दायित्वों के बारे में बताने के लिए मनुस्मृति का हवाला दिया। स्पष्ट है कि आधुनिक हिंदू कानून की व्याख्या में प्राचीन ग्रंथों की भूमिका आज भी बनी हुई है। यह फैसला इस बात का भी उदाहरण है कि किस तरह हिंदू दत्तक और भरण-पोषण अधिनियम, 1956 (एचएएमए) जैसे कानूनों की व्याख्या करते समय कोर्ट प्राचीन धर्मशास्त्रों को नैतिक और ऐतिहासिक संदर्भ के रूप में देखते हैं। जानकारी के अनुसार डॉ. महेंद्र प्रसाद का निधन 27 दिसंबर 2021 को हुआ था और उन्होंने 18 जुलाई 2011 की पंजीकृत वसीयत छोड़ी थी। उनके तीन बेटे थे। 2 मार्च 2023 को बेटे रणजीत शर्मा की मौत हो गई जिसके बाद उनकी पत्नी गीता शर्मा ने खुद को आश्रित बताते हुए हिंदू दत्तक और भरण-पोषण अधिनियम (एचएएमए) के तहत ससुर की संपत्ति से भरण-पोषण माँगा। फैमिली कोर्ट ने यह कहते हुए याचिका खारिज कर दी कि ससुर की मृत्यु के समय गीता विधवा नहीं थीं और इसलिए वह कानून के तहत आश्रित नहीं मानी जा सकतीं। 20 अगस्त 2025 को हाई कोर्ट ने इस फैसले को पलटते हुए कहा कि गीता शर्मा अब ससुर के बेटे की विधवा हैं और इस आधार पर उन्हें एचएएमए के तहत आश्रित माना जा सकता है। कोर्ट ने मामले को दोबारा सुनवाई के लिए भेज दिया। इस फैसले को कंचना राय और उमा देवी ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। दोनों ने दावा किया कि वे लगभग 40 सालों से डॉ प्रसाद के साथ रह रही थीं। सुप्रीम कोर्ट के सामने मुख्य कानूनी प्रश्न यह रखा गया कि क्या ससुर की मृत्यु के बाद विधवा हुई बहू, हिंदू दत्तक एवं भरण-पोषण अधिनियम की धारा 21(अपप) के तहत आश्रित की श्रेणी में आती है या नहीं? जस्टिस पंकज मित्तल और जस्टिस एस वी एन भट्टी ने अपने फैसले में एचएएमए की सीधी व्याख्या अपनाई। कोर्ट ने कहा कि धारा 21(अपप) में 'बेटे की कोई भी विधवा' लिखा है, इसमें यह शर्त नहीं है कि पति ससुर से पहले मरा हो। इसलिए समय अप्रासंगिक है और गीता शर्मा कानूनन आश्रित मानी जाएँगी। धारा 22 के अनुसार, ऐसे आश्रितों का भरण-पोषण संपत्ति पाने वाले वारिसों को करना होगा, खासकर तब जब आश्रित को विरासत में हिस्सा न मिला हो। पीठ ने चेताया कि संकीर्ण व्याख्या करना अनुच्छेद 14 के तहत समानता का उल्लंघन होगा क्योंकि इससे विधवाओं को पति की मृत्यु के समय के आधार पर मनमाने ढंग से अलग किया जाएगा। साथ ही, कानून का उद्देश्य कल्याणकारी है और इसलिए अनुच्छेद 21 के तहत सम्मानजनक जीवन के अधिकार को ध्यान में रखते हुए कमजोर महिलाओं को संरक्षण देना जरूरी है। कोर्ट ने कहा कि जहाँ कानून में कमियाँ हो, वहाँ एचएएमए का सेक्शन 4 बिना कोड वाले सिद्धांतों (पारंपरिक सिद्धांत) को बनाए रखता है। कोर्ट ने मनुस्मृति अध्याय 8, श्लोक 389 का जिक्र किया जिसमें कहा गया है कि 'किसी भी पत्नी, बेटे, पिता या माँ को नहीं छोड़ा जाना चाहिए। जो कोई भी इन बेगुनाह परिवार वालों को छोड़ता है।

जरा हटके

सुप्रीम कोर्ट ने...

अशोक भाटिया

परंपरागत ज्ञान से पर्यावरण बचाने की राह

लोकविज्ञान चाहे वह खेती व सिंचाई से संबंधित हो या जंगल में पाए जाने वाले औषधि या पौधे हों, आज भी वृद्ध लोगों के पास सुरक्षित है। स्थानीय और परंपरागत ज्ञान आज पर्यावरण व जैव विविधता के संरक्षण व संवर्धन में महत्वपूर्ण माने जाते हैं। इसके साथ आधुनिक ज्ञान को सीखकर, दोनों के मेल से पर्यावरण व जैव विविधता का संरक्षण किया जा सकता है। मौजूदा समय में देश और दुनिया में पर्यावरण संकट की चर्चा चल रही है। यह वैश्विक समस्या है, लेकिन स्थानीय स्तर पर भी कुछ किया जा सकता है। इसमें ऐसे समुदाय जो प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर रहते आए हैं, उनके परंपरागत ज्ञान काफी सहायक हो सकता है। मैंने लम्बे अरसे से देश भर में घूम-घूमकर ऐसे समुदायों से बातचीत की है, और उसके आधार पर रिपोर्टिंग की है। आज इस कॉलम में इस पर बात करना चाहूंगा, जिससे स्थानीय समुदायों के परंपरागत ज्ञान को समझा जा सके और उसके साथ आधुनिक ज्ञान को जोड़कर समस्याओं का समाधान किया जा सके। पर्यावरण और समुदायों की आजीविका की रक्षा की जा सके। अक्सर, जब कभी हम इतिहास की बात करते हैं, तब हम यह सोचते हैं कि यह मोटी-मोटी किताबों, दस्तावेजों, और पुस्तकालय के ग्रंथों में मिलेगा। लेकिन यह तो हमारे आसपास और परिवेश में भी है। हमें सिर्फ बुजुर्ग और अनुभवी लोगों से सवाल पूछना है और वे हमें बताएंगे, अपने प्रत्यक्ष अनुभव सुनाएंगे, कबीर की तरह आंखों देखी बताएंगे। वे सुनी-सुनाई बातें ही नहीं, आपबीती बताएंगे। याददाश्त के आधार पर बचपन और अपने काम-धंधे से जुड़े व अपने जमाने के किस्से बताएंगे। इसे मौखिक इतिहास व मौखिक ज्ञान भी कह सकते हैं। और यह सब आंचलिक स्थानीय भाषा में ही उपलब्ध है और उसे साक्षात्कार और बातचीत के माध्यम से जाना जा सकता है। बरसों से खेती करने वाले किसान हमें बताएंगे यहां परंपरागत खेती-किसानी कैसी थी, क्या-क्या फसलें उगाई जाती थीं, कब बोई जाती थीं, किस तरह की मिट्टी मे बोई जाती थी, उसके तरीके क्या थे? हल-बक्खर कब चलाना है, बोवनी कब करनी है। जब सिंचाई की व्यवस्था नहीं हुआ करती थी तब कौन सी फसलें उगाई जाती थीं? सिंचाई आने के बाद फसलचक्र में क्या बदलाव आया? वे बताएंगे, बीमार आदमी का इलाज कैसे किया जाता है, किसी की अगर हड्डी टूट जाती है तो कौन सी जड़ी लगाई जाती है, हंसिया या कुल्हाड़ी की चोट पर कौन से पेड़ की छाल पीसकर लगाते हैं? वे बताएंगे कि बारिश कम क्यों होती है? पहले झड़ी लगती थी और अब क्यों पानी नहीं गिरता? सदानीरा नदियों का पानी क्यों सूख गया? बारहमासी नदियां अब बरसाती नालों में कैसे बदल गई? वे स ाल द र ... साल क्यों द म त ोड़ रही हैं? ज्य ाद ा

कुरेदेंगे तो वे यह भी बता सकते हैं ये सूखी नदियां पुनर्जीवित कैसे हो सकती हैं? भूजल क्यों टाइम बम की तरह नीचे चला जा रहा है? ऐसी कई जानकारियां आपको अपने इलाके के बारे में सहज ही मिल जाएगी। हमें ऐसे ढेरों किस्से मिल जाएंगे जिनसे हम अनजान थे। हमें लोकविद्या के ऐसे कई सूत्र हाथ लग जाएंगे, जिससे हम अपना जीवन संवार सकते हैं, बेहतर कर सकते हैं, परिवेश बदल सकते हैं। क्योंकि ... आधुनिक रासायनिक खेती मुनाफे से संचालित है, जबकि परंपरागत खेती भोजन की जरूरत पूरी करने के लिए विकसित हुई थी।

— रसनेन्द्रिय विजय —

यह कोई नहीं बता सकता कि उसकि आख़िरी साँस कौन सी होगी।हर व्यक्ति यही सोचता है कि अभी मेरे जाने का समय आया नहीं हैं । यह मिथ्या है। हम तनावमुक्त होकर भोजन करें। हम हड़बड़ी में भोजन न करें।हम चबा चबा कर भोजन करें। हम खाने के लिए दांतों का काम आँतों से न लें। अतः रसनेन्द्रिय विजय होना जीवन का सबसे बड़ा काम हो जाता हैं । कहते हैं कि जिसने रसनेन्द्रिय विजय की उसने कर्मों की एक लड़ाई जीत ली हैं । शरीर के लिए आहार का आधार जरूरी हैं । अपने आप से अपनी रसना पर हमारा नियंत्रण का संयम बहुत कठिन हैं । हमारे द्वारा बढ़ी दृढ़ता से ही जीभ रसना पर विजय पाना आसान सम्भव होता हैं । हम सब पुण्यशाली , सौभाग्य शाली आदि हैं जों हमने भगवान महावीर का शासन पाया हैं । भगवान महावीर ने रसनेन्द्रिय विजय के एक नहीं अनेक सीधे सरल उपाय बताये हैं । रसनेन्द्रिय विजय के द्वारा हम स्वस्थता को आह्वान करें । अपनी रसनेन्द्रिय पर जरुरी लगाम लगायें । आरोगय का नाम लेते ही मस्तिष्क में जो छवि उभरती है वह शारीरिक स्वस्थता की व आरोग्यता की है । हमारे शारीरिक स्वस्थता का सीधा संबंध भोजन से है।भोजन का भी आज विज्ञान है।जिसमें भोजन की गुणवत्ता, स्वास्थ्य प्रदत्तता, मात्रा, मेल-बेमेल भोजन का ज्ञान, खाद्य संयम आदि-आदि समाहित हैं । खाद्य संयम हमें संयम की प्रेरणा देता है । यह विशेष कर आत्म-शोधन की प्रक्रिया हैं । वह इसलिए जब साधना का क्रम चालू करते हैं तो सबसे पहले आहार पर ध्यान दिया जाता है । वह उचित-अनुचित आहार का ज्ञान हमको होना चाहिए । वह तभी तो हमारे व्यस्त पेट को कुछ आराम मिलेगा और हमारी तीन इंच की जीभ भी रसनेन्द्रिय विजय से आराम पायेगी । सात्विक हल्का व भूख से कम भोजन खाना हमारी शुद्ध हवा है ।सब रोगों की एक यही सही दवा हैं । हमारा विवेक खाने में अगर जागृत नहीं तो क्या कोई भी दवा पुष्ट करती हैं । खाद्य संयम का संबंध शरीर और चेतना दोनों के साथ है। वह अल्पहारी का स्वास्थ्य सदा अच्छा रहेगा। अल्पहारी और जो आहार का संयम करता है वह चिरकाल तक युवा रहता है। ऊर्जा संपन्न रहता है । तीसरी बात वह दीर्घायु भी प्राप्त कर सकता है। चौथा बिंदु भाव विशुद्धि, चित्त की निर्मलता और मानसिक पवित्रता आदि है । अतः हम आहार का विशेष संयम रखें। आहार संयम के लियें हम जितना ज्यादा कर सके द्रव्यों की सीमा करें । हम प्रयास करके 9 द्रव्यों या जितने कम हो सकें उतने से ज्यादा न खाएं । वह शुद्ध सात्विक खाना खायें । यही हमारे लिए काम्य हैं ।

• प्रदीप छाजेड़

दिल्ली को 8 विकेट से हराया, कप्तान मंधाना ने 96 रन बनाए, बेल-साटघरे को 3-3 विकेट

डब्ल्यूपीएल में बेंगलुरु की लगातार चौथी जीत

- शेफाली वर्मा ने दिल्ली को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया।
- स्मृति मंधाना और जॉर्जिया वोल ने 142 रन की पार्टनरशिप की।

विकेट की खुशी मनातीं RCB की प्लेयर्स।

मुबंई, एजेंसी

विमेंस प्रीमियर लीग (WPL) के चौथे सीजन में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) ने लगातार चौथा मैच जीत लिया। टीम ने शनिवार के दूसरे मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स को 8 विकेट से हराया। इसी के साथ टीम ने पॉइंट्स टेबल के टॉप पोजिशन पर अपनी स्थिति भी मजबूत कर ली। नवी मुंबई के DY पाटील स्टेडियम में बेंगलुरु ने बॉलिंग चुनी। दिल्ली ने शेफाली वर्मा की फिफ्टी के दम पर 166 रन बना दिए। लौरेन बेल और सयाली साटघरे को 3-3 विकेट मिले। बेंगलुरु ने कप्तान स्मृति मंधाना के 96 रन की मदद से 18.2 ओवर में 2 ही विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने 10 रन पर ही 4 विकेट गंवा दिए। विकेटकीपर लिजेल ली और कप्तान जेमिमा रोड्रिग्ज 4-4 रन बनाकर आउट हुईं। वहीं लौरा वोलवार्ट और मारिजान कैप खाता भी नहीं खोल सकीं।

शेफाली ने 100 के पार पहुंचाया

पावरप्ले में 4 विकेट गिरने के बावजूद ओपनर शेफाली वर्मा ने दिल्ली का स्कोरिंग रेट कम नहीं होने दिया। उन्होंने पहले निकी प्रसाद के साथ फिफ्टी पार्टनरशिप की, फिर आखिर की बैटर्स के साथ टीम को 100 रन के पार पहुंचा दिया। उनके सामने निकी 12, मिन्नू मणि 5 और स्नेह राणा 22 रन बनाकर आउट हो गईं। शेफाली भी 41 गेंद पर 4 छक्के और 5 चौके लगाकर 62 रन बनाने के बाद आउट हुईं। आखिर में लुसी हैमिलटन ने 19 गेंद पर 3 चौके और 3 छक्के लगाकर 36 रन बनाए। टीम 166 रन बनाकर ऑलआउट हुई।

हैरिस 1 रन बनाकर आउट

167 रन के टारगेट के सामने बेंगलुरु ने तीसरे ही ओवर में ओपनर ग्रेस हैरिस का विकेट गंवा दिया। वे 4 गेंद पर 1 रन बनाने के बाद शेफाली वर्मा के हाथों कैच हुईं, उन्हें मारिजान कैप ने पवेलियन भेजा। कप्तान स्मृति मंधाना ने फिर जॉर्जिया वोल के साथ RCB को संभाल लिया। पावरप्ले में टीम 37 रन ही बना सकी, लेकिन दूसरा विकेट नहीं गिरा। वोल और मंधाना ने 7वें ओवर में 12 और 8वें ओवर में 13 रन बना दिए। 12 ओवर में टीम का स्कोर 113 रन तक भी पहुंचा दिया। मंधाना ने फिफ्टी लगाई और वोल के साथ सेंचुरी पार्टनरशिप कर ली। दोनों ने 16 ओवर में टीम को 143 रन तक पहुंचा दिया। यहां से आखिरी 24 गेंद पर 24 रन चाहिए थे, टीम ने 14 ही गेंदों पर टारगेट हासिल कर लिया।

श्रेयांका ने 44 रन दिए

बेंगलुरु के लिए लौरेन बेल ने 26 रन देकर 3 विकेट लिए। वहीं सयाली साटघरे को 27 रन देने के बाद 3 विकेट मिले। प्रेमा रावत ने 16 रन देकर 2 विकेट लिए। नदीन डी क्लर्क ने 1 विकेट लिया। एक बैटर रन आउट भी हुईं। श्रेयांका पाटील ने 3 ओवर में 44 रन दे दिए, लेकिन कोई विकेट नहीं ले पाईं। राधा यादव को भी कोई विकेट नहीं मिला।

दिल्ली की तीसरी हार

चौथे सीजन में दिल्ली कैपिटल्स का प्रदर्शन बेहद खराब रहा। टीम को 4 मुकाबलों में तीसरी हार मिली, टीम की इकलौती जीत यूपी वॉरियर्ज के खिलाफ आई। दूसरी ओर RCB ने लगातार चौथा मैच जीता। टीम गुजरात, यूपी और मुंबई को भी 1-1 मैच हरा चुकी है।

कप्तान स्मृति मंधाना 96 रन बनाकर आउट हुईं, उनके सामने जॉर्जिया वोल ने 54 रन बनाए। मंधाना डब्ल्यूपीएल इतिहास में शतक लगाने वालीं पहली प्लेयर बनने से चूक गईं। उनसे पहले 2 प्लेयर 99-99 रन बना चुकी थीं। मंधाना बिग बैश लीग और इंटरनेशनल क्रिकेट में 1-1 सेंचुरी लगा चुकी हैं।

अंतिम पंघाल की टीम ने मुंबई को 7-2 से हराया

ओलिंपिक मेडलिस्ट अमन जीते, टीम हारी

झज्जर, एजेंसी

PWL में हरियाणा के रेसलर्स की धमाकेदार परफॉर्मेंस देखने को मिल रही है। महिला 53 किग्रा वर्ग में दो बार की अंडर-20 वर्ल्ड चैंपियन अंतिम पंघाल ने दमदार जीत हासिल की। जबकि पेरिस 2024 ओलिंपिक कांस्य पदक विजेता अमन सहरावत को टाइगर्स ऑफ मुंबई दंगल के लिए शानदार प्रदर्शन के लिए फाइटर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला। हालांकि अपनी जीत के साथ वे टीम की हार को नहीं बचा पाए। यूपी डोमिनेटर्स ने शनिवार शाम नोएडा इंडोर स्टेडियम में खेले गए प्रो रेसलिंग लीग 2026 के चौथे मैच में टाइगर्स ऑफ मुंबई दंगल के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए 7–2 से प्रभावशाली जीत दर्ज की। खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के स्वर्ण पदक विजेता जस पूरन सिंह को उनके संयमित हैवीवेट प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। मैच के बाद जीत दर्ज करने वाली यूपी डोमिनेटर्स की कप्तान हरियाणा के हिसार जिले की रहने वाली अंतिम पंघाल ने कहा, "मेरा बाउट अच्छा रहा, मेरी प्रतिद्वंद्वी मजबूत थीं और मुकाबला कड़ा था। मैंने अपनी तैयारी के अनुसार ही रणनीति को अंजाम दिया, हालांकि हर मैच के बाद सुधार की गुंजाइश रहती है। कप्तान के तौर पर हम टॉस के किसी भी नतीजे के लिए तैयार थे।

फास्ट न्यूज

मृणाल ठाकुर-धनुष की शादी की खबरें फर्जी

नई दिल्ली। पिछले कुछ दिनों से साउथ स्टार धनुष और एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर की शादी की खबरें सुर्खियों में हैं। फ्री प्रेस जर्नल की रिपोर्ट में दावा किया गया कि धनुष और मृणाल 14 फरवरी को शादी के बंधन में बंधने वाले हैं, साथ ही एक्ट्रेस की टीम ने भी खबरों को अफवाह कहा है। इसी बीच अब मृणाल ठाकुर ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर खुद को अडिग कहा है।

आईसीआईसीआई बैंक का मुनाफा 4% घटकर ₹11,318 करोड़ रहा

मुंबई। देश के दूसरे सबसे बड़े प्राइवेट बैंक ICICI बैंक ने शनिवार (17 जनवरी) को अपने चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही (Q3 FY26) के नतीजे जारी कर दिए हैं। अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में बैंक का नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 4% गिरकर 11,318 करोड़ रुपए रहा। पिछले साल की इसी तिमाही में बैंक ने 11,792 करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया था। मुनाफे में आई यह गिरावट बाजार के अनुमान से ज्यादा है, क्योंकि एक्सपर्ट्स ने इसके 12,300 करोड़ रुपए के आसपास रहने की उम्मीद जताई थी। मुनाफे में गिरावट के बावजूद बैंक की ब्याज से होने वाली आय (नेट इंटरेस्ट इनकम- NII) में बढ़त देखी गई है। यह सालाना आधार पर 7.7% बढ़कर 21,932.2 करोड़ रुपए हो गई है।

अनुपम खेर ने सिक्योरिटी गार्ड को स्मार्टफोन गिफ्ट किया

सोनीपत/गुरुग्राम। हरियाणा में गुरुग्राम के सोहना में फिल्म खोसला का घोंसला-2 की शूटिंग के दौरान एक्टर अनुपम खेर ने एक सिक्योरिटी गार्ड को स्मार्टफोन गिफ्ट किया। लेकिन उसे इस बात की चिंता थी कि वह फोटो उसे कैसे मिलेगी। यह बात सुनकर अनुपम खेर ने उसे फोन गिफ्ट कर दिया। सिक्योरिटी गार्ड ने नए फोन से पहली फोटो अनुपम खेर के साथ खिंचवाई और साथ ही उस फोटो को फोन के वॉल पर भी लगा लिया।

गोविंदा के अफेयर पर सुनीता का बयान

कहा- स्ट्रगलिंग एक्ट्रेस को शुगर डैडी चाहिए होता है, फंसा लेती हैं

मुबंई, एजेंसी

सुनीता आहूजा ने फिर एक बार गोविंदा के अफेयर की खबरों पर रिएक्शन दिया है। उनका कहना है कि गोविंदा का इस उम्र में अफेयर करना शोभा नहीं देता। इससे उनके बच्चे भी डिस्टर्ब होते हैं। सुनीता ने ये भी चेतावनी दी है कि अगर उन्हें गोविंदा के खिलाफ सबूत मिलते हैं, तो वो उन्हें कभी माफ नहीं करेंगी। सुनीता आहूजा ने हाल ही में मिस मालिनी को दिए इंटरव्यू में कहा है, '2025 मेरे लिए बहुत बुरा साल था, क्योंकि उस समय हमारी फैमिली लाइफ में काफी परेशानियां चल रही थीं। मैं गोविंदा के बारे में भी कई बातें सुन रही थी, जो मुझे बिल्कुल अच्छा नहीं लग रहा था। मैं हमेशा कहती हूं कि हर चीज करने की एक उम्र होती है। 63 साल की उम्र में ऐसी बातें सुनना अच्छा नहीं लगता, खासकर जब बच्चे बड़े हो चुके हों। यह सब बहुत गलत और दुखद था। उम्मीद है कि 2026 में भगवान गोविंदा को सही समझदारी दें।' आगे सुनीता ने कहा है, 'देखो, मेरे बच्चे अब बड़े हो गए हैं, और मैंने हमेशा यही कहा है कि ऐसी बातों से बच्चे परेशान होते हैं। मैं हमेशा कहती हूं कि यह तुम्हारी उम्र नहीं है। आजकल क्या होता है, जो लड़कियां स्ट्रगल करने आती हैं, उन्हें एक शुगर डैडी चाहिए होता है।

पहले कहा था- सांप्रदायिक वजहों से काम नहीं मिला, कंगना बोलीं-आप नफरत में अंधे हुए

इरादे कभी-कभी गलत समझ लिए जाते हैं : एआर रहमान

मुंबई/चेन्नई, एजेंसी

कंपोजर-सिंगर एआर रहमान ने अपने पहले दिए गए बयान पर सफाई दी है। उन्होंने कहा कि कभी-कभी इरादे को समझने में गलती हो जाती है। कॉन्ट्रोवर्सी के बाद रहमान का यह पहला बयान है। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में कहा है कि उन्हें सांप्रदायिक वजहों से पिछले 8 सालों से बॉलीवुड में काम नहीं दिया जा रहा है। वहीं, जावेद अख्तर के बाद अब कंगना रनोट भी एआर रहमान के बयान पर भड़क गईं।

जावेद अख्तर, शान, शोभा डे ने की बयान की आलोचना

जावेद अख्तर ने रहमान के दावे को सिरे से खारिज कर दिया। आईएएनएस से बातचीत में उन्होंने कहा, 'मुझे ऐसा कभी नहीं लगा। मैं मुंबई में रहता हूं, सबसे मिलता हूं। रहमान को बहुत सम्मान मिलता है।

रहमान ने कहा- भारत मेरी प्रेरणा, मेरा गुरु, मेरा घर

बयान पर विवाद बढ़ने के बाद अब एआर रहमान ने इस पर सफाई दी है। उन्होंने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से एक वीडियो जारी किया, जिसमें उन्होंने कहा, 'प्रिय दोस्तों, संगीत हमेशा से मेरे लिए जुड़ने, जश्न मनाने और किसी संस्कृति को सम्मान देने का माध्यम रहा है। मेरा गुरु है और मेरा घर है।

कंगना ने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से एआर रहमान का बयान पोस्ट कर लिखा- प्रिय एआर रहमान जी, फिल्म इंडस्ट्री में मुझे बहुत भेदभाव और पक्षपात का सामना करना पड़ता है, सिर्फ इसलिए क्योंकि मैं एक केसरिया पार्टी का समर्थन करती हूं। लेकिन मुझे यह कहना ही पड़ेगा कि आपसे ज्यादा पूर्वाग्रही और नफरत से भरा इंसान मैंने आज तक नहीं देखा।

हमारा देश बिकाऊ नहीं, अमेरिका के साथ ट्रेड एग्रीमेंट रोकने की तैयारी में यूरोपीय संघ

ट्रम्प के विरोध में हजारों लोग सड़कों पर

नुउक, एजेंसी

ग्रीनलैंड में ट्रम्प के विरोध में शनिवार को हजारों लोग सड़कों पर उतर आए। लोगों ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के ग्रीनलैंड पर कब्जे को लेकर दिए बयानों पर नाराजगी जताई। प्रदर्शनकारियों ने 'ग्रीनलैंड बिक्री के लिए नहीं है' के नारे लगाए। बर्फीली सड़कों के बीच प्रदर्शनकारी ग्रीनलैंड की राजधानी नुउक के डाउनटाउन से अमेरिकी वाणिज्य दूतावास तक पहुंचे। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रीय झंडे लहराए और विरोधी पोस्टर थामे रहे। पुलिस के मुताबिक यह अब तक का सबसे बड़ा प्रदर्शन माना जा रहा है, जिसमें नुउक की लगभग एक-चौथाई आबादी शामिल हुई इसी दौरान अमेरिका ने यूरोप के 8 देशों पर 10% टैरिफ लगाने का ऐलान कर दिया। ये देश ग्रीनलैंड पर अमेरिका के कब्जे की धमकी का विरोध कर रहे थे। इससे ग्रीनलैंड के लोगों में ट्रम्प को लेकर गुस्सा और बढ़ गया। दूसरी ओर

यूरोपीय संघ (EU) के सांसद अमेरिका के साथ हुए ट्रेड एग्रीमेंट की मंजूरी रोकने की तैयारी में हैं। यूरोपियन पीपुल्स पार्टी (EPP) के अध्यक्ष मैनफ्रेड वेबर ने शनिवार को सोशल मीडिया X पर पोस्ट कर कहा कि ट्रम्प की ग्रीनलैंड धमकियों के कारण अमेरिका से समझौते को मंजूरी देना संभव नहीं है। इस ट्रेड डील के तहत ज्यादातर यूरोपीय वस्तुओं पर अमेरिका 15% टैरिफ लगाने पर सहमत हुआ था। इसके बदले EU ने अमेरिकी औद्योगिक उत्पादों और कुछ कृषि उत्पादों पर शुल्क खत्म करने का वादा किया था। उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने यह समझौता अमेरिका के साथ ट्रेड वॉर से बचने के लिए किया था। हालांकि, ग्रीनलैंड को लेकर ट्रम्प के हालिया रुख ने इस समझौते को राजनीतिक संकट में डाल दिया है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने ट्रम्प के बयानों को अस्वीकार्य बताया। यूरोपीय देशों ने कहा कि ग्रीनलैंड की संप्रभुता का सम्मान होना चाहिए और सहयोगियों को धमकी नहीं देना चाहिए।

ट्रेड वॉर से बचने के लिए ईयू ने अमेरिका से समझौता किया था

EU-US ट्रेड एग्रीमेंट को यूरोपीय कमीशन की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने पिछले साल तय किया था। यह समझौता आंशिक रूप से लागू हो चुका है, लेकिन इसे अंतिम मंजूरी यूरोपीय संसद से मिलना अभी बाकी है। अगर EPP के सांसद वामपंथी दलों के साथ इसके विरोध में खड़े होते हैं, तो उनके पास इतनी संख्या हो सकती है कि वे इस समझौते की मंजूरी को टाल दें या पूरी तरह रोक दें।

ईयू में अमेरिकी उत्पादों पर 0% टैरिफ को होल्ड करने की मांग

मैनफ्रेड वेबर ने सोशल मीडिया पर कहा कि EPP व्यापार समझौते के पक्ष में था, लेकिन ट्रम्प की ग्रीनलैंड धमकियों के कारण अब मंजूरी संभव नहीं। उन्होंने अमेरकी उत्पादों पर 0% टैरिफ को होल्ड करने की बात कही। यूरोपीय संसद के अन्य समूह भी समझौते को फ्रीज करने की मांग कर रहे हैं। अगर फैसले को लेकर सहमति बनती है, तो समझौता रुक सकता है। EU अगले 3 साल में अमेरिका से 750 बिलियन डॉलर, यानी करीब 64 लाख करोड़ रुपए की एनर्जी खरीदेगा। इसके साथ ही EU अमेरिका में 600 बिलियन डॉलर यानी 51 लाख करोड़ रुपए का निवेश करेगा। ये निवेश अमेरिका के फार्मा, ऑटो और डिफेंस सेक्टर में होगा।

ईयू पर 15% अमेरिकी टैरिफ लगा है

अमेरिका ने यूरोपीय यूनियन पर 15% टैरिफ लगा रखा है। ट्रम्प ने पहले EU पर 30% टैरिफ लगाने की धमकी दी थी। हालांकि, स्टील, कॉपर और एल्यूमीनियम के सामानों पर रियायत नहीं मिलेगी और इन पर टैरिफ की दर 50% ही रहेगी।

ट्रम्प के गाजा पीस बोर्ड से नाराज इजराइल

कहा- बिना बातचीत टीम बनाई, यह नीति के खिलाफ

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का गाजा पीस प्लान दूसरे चरण में पहुंच चुका है। ट्रम्प ने गाजा के प्रशासन और पुनर्निर्माण के लिए नेशनल कमेटी फॉर द एडमिनिस्ट्रेशन ऑफ गाजा (NCAG) के गठन का ऐलान किया है। इस कमेटी की देखरेख करने, फंड जुटाने जैसे कामों के लिए ट्रम्प ने 'बोर्ड ऑफ पीस' (शांति बोर्ड) का गठन किया है। राष्ट्रपति खुद इसकी अध्यक्षता कर रहे हैं। इसके अलावा गाजा एग्जीक्यूटिव बोर्ड भी बनाया गया है। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के ऑफिस ने कहा है कि गाजा के लिए बनाए गए नए प्रशासनिक बोर्ड की घोषणा अमेरिका ने इजराइल से बिना बातचीत के की है। इजराइल का कहना है कि यह फैसला उसकी सरकारी नीति के खिलाफ है। व्हाइट हाउस ने शुक्रवार को बोर्ड के सदस्यों की सूची जारी की। इस बोर्ड में 7 लोग शामिल हैं, जिनमें भारतवंशी अजय बंगा भी हैं। पीस बोर्ड के अलावा, हाई रिप्रेजेंटेटिव और NCAG की मदद के लिए गाजा एग्जीक्यूटिव बोर्ड भी बनाया जा रहा है। इसके शुरुआती सदस्यों में स्टीव विटकॉफ, जेरेड कुश्नर, तुर्किए के विदेश मंत्री हकान फिदान, अली अल-थावादी, जनरल हसन राशाद, टोनी ब्लेयर, मार्क रोवन, यूएई की मंत्री रीम अल-हाशिमी, बल्गेरियाई राजनेता निकोलाय म्लाडेनोव शामिल हैं। निकोलाई म्लाडेनोव एग्जीक्यूटिव बोर्ड के प्रतिनिधि होंगे।

डीजीसीए ने इंडिगो पर ₹22.20 करोड़ का फाइन लगाया

जांच कमेटी ने गड़बड़ी की 4 वजहें बताईं, दिसंबर में एयरलाइन की 2500 फ्लाइट कैंसिल हुई थीं

नई दिल्ली, एजेंसी

डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (DGCA) ने एयरलाइन कंपनी इंडिगो पर 22.20 करोड़ का जुर्माना लगाया है। यह जुर्माना एयरक्राफ्ट रूल्स, 1937 के रूल 133A के तहत लगाया गया है। इसके तहत एकमुश्त जुर्माना 1.80 करोड़ है। इसके अलावा FDTL नियमों का 68 दिन तक पालन नहीं करने पर प्रतिदिन 30 लाख का जुर्माना लगाया गया, जो कि 20.40 करोड़ होता है। DGCA ने यह एक्शन 3 से 5 दिसंबर, 2025 के बीच इंडिगो की 2507 फ्लाइट के कैंसिल होने और 1852 फ्लाइट के ऑपरेशन में देरी होने पर लिया है। इस कारण 3 लाख से ज्यादा यात्रियों को परेशानी हुई थी। नागरिक उड्डयन मंत्रालय (MoCA) के निर्देश पर

DGCA ने मामले की जांच के लिए 4 मेंबर वाली कमेटी बनाई थी। ने इंडिगो के नेटवर्क प्लानिंग, क्रू रोस्टरिंग और इंडिगो के इस्तेमाल किए जा रहे सॉफ्टवेयर सिस्टम की डिटेल इंवेस्टिगेशन और स्टडी की। साथ ही बयान भी दर्ज किए। इंडिगो एयरलाइंस ने कहा है कि वह DGCA के सभी आदेशों को पूरी तरह मानेंगी और जो भी सुधार जरूरी होंगे, वे सही समय पर किए जाएंगे। कंपनी के बोर्ड और मैनेजमेंट का कहना है कि हाल की घटना के बाद काम करने के तरीकों, सिस्टम और संचालन को मजबूत बनाने के लिए अंदरूनी तौर पर पूरी जांच और समीक्षा की जा रही है। कमेटी के मुताबिक, इंडिगो मैनेजमेंट ने ऑपरेशन में देरी या आपात हालात से निपटने की पर्याप्त तैयारी नहीं की थी। साथ ही बदले हुए फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन (FDTL) नियमों को भी सही तरीके से लागू नहीं किया गया। इसी वजह से बड़ी संख्या में उड़ानें रद्द हुईं और यात्रियों को परेशानी उठानी पड़ी। जांच में यह भी सामने आया कि एयरलाइन ने क्रू, विमान और नेटवर्क संसाधनों के अधिकतम उपयोग पर जरूरत से ज्यादा जोर दिया। इससे क्रू रोस्टर में अतिरिक्त गुंजाइश बहुत कम रह गई। डेड-हेडिंग, टेल स्वैप, लंबी ड्यूटी और कम आराम समय जैसी व्यवस्थाओं ने फ्लाइट ऑपरेशन को कमजोर बना दिया।

शेयर बाजार से विदेशी निवेशकों ने ₹22,530 करोड़ निकाले

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार में विदेशी निवेशकों (FIIs) की बिकवाली का दौर नए साल में भी जारी है। साल 2026 की शुरुआत के साथ ही जनवरी के पहले 15 दिनों में विदेशी निवेशकों ने घरेलू बाजार से 22,530 करोड़ के शेयर बेच दिए हैं।पिछले हफ्ते केवल चार कारोबारी सत्रों में ही विदेशी निवेशकों ने 14,266 करोड़ की बिकवाली की। छुट्टी की वजह से पिछला हफ्ता छोटा था, इसके बावजूद बिकवाली की रफ्तार बहुत तेज रही। मार्केट एक्सपर्ट्स के मुताबिक ग्लोबल लेवल पर बढ़ते तनाव और भारत में शेयरों की ऊंची वैल्यूएशन के कारण विदेशी निवेशक अपना पैसा निकाल रहे हैं। बड़ी आईटी कंपनियों के तीसरी तिमाही के नतीजे उम्मीद से बेहतर रहे हैं। इसके बावजूद बाजार में तेजी नहीं लौट पा रही है। रेलिगेयर ब्रोकिंग के अजीत मिश्रा के मुताबिक, टैरिफ से जुड़ी अनिश्चितताएं और दुनिया भर में चल रहे भू-राजनीतिक तनाव आईटी कंपनियों के अच्छे नतीजों पर भारी पड़ रहे हैं। निवेशकों में इस बात को लेकर डर है कि आने वाले समय में ग्लोबल ट्रेड पॉलिसी कैसी रहेगी।

वारदात : सुरक्षाबलों ने सिर में गोली मारी थी, मां बोली- शव चुरा सड़क किनारे दफनाया

ईरान में लाशों के ढेर से खोजा बेटी का शव

तेहरान/वॉशिंगटन, एजेंसी

ईरान में फैशन की पढ़ाई कर रही 23 साल की एक कॉलेज की छात्रा को ईरानी सुरक्षा बलों ने 8 जनवरी को गोली मार दी थी। घटना की जानकारी अब सामने आई है। न्यूज एजेंसी AP के मुताबिक छात्रा की मां को लाशों के ढेर के बीच अपनी बेटी की बॉडी ढूंढनी पड़ी। रिपोर्ट के मुताबिक छात्रा रूबिना अमिनियन को ईरानी सुरक्षाबलों की गोली सीधे सिर के पीछे लगी, जिससे उसकी मौत हो गई। रूबिना की मौत के एक सप्ताह बाद भी परिवार ने रीति रिवाज से उसका अंतिम संस्कार नहीं किया है। सुरक्षा बलों से बचने के लिए उसके शव को चोरी से सड़क के किनारे गड्ढे में ही दफना दिया वहीं, ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई ने पहली बार ये माना कि पिछले 28 दिसंबर से जारी प्रदर्शनों के दौरान हजारों लोग मारे गए। उन्होंने इन मौतों के लिए ट्रम्प को जिम्मेदार ठहराया। खामेनई ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के हाथ खून से रंगे हैं। ट्रम्प ने इसका जवाब देते हुए कहा कि ईरान सरकार अब चंद दिनों की मेहमान है। वहां नए नेतृत्व की तलाश करने का समय आ गया है। घटना के समय रूबिना की मां करमनशाह शहर में थीं, जो तेहरान से लगभग 460 किलोमीटर दूर है। रूबिना की मां को उसके दोस्तों ने फोन कर बताया कि उन्हें गोली लग गई है। इस दौरान सुरक्षा बलों की गोली रूबिना के सिर के पीछे लगी। जानकारी मिलते ही रूबिना की मां अमीना नोरेई तुरंत तेहरान रवाना हुईं। वहां उन्होंने बेटी की बॉडी ढूंढी। रूबिना राजनीतिक या सक्रिय गतिविधियों में शामिल नहीं थीं।

मिनोई ने कहा कि हमने असल में शव को चुराया था, हमारे पास दूसरा रास्ता नहीं था। न्यूयॉर्क स्थित सेंटर फॉर ह्यूमन राइट्स एक बयान में कहा कि उन्हें प्रदर्शनकारियों के शवों को लौटाने के बदले परिवारों से पैसे मांगने की कई सूचनाएं मिली हैं। दूसरे परिवारों ने केंद्र को बताया कि शवों को वापस लेने के लिए उन्हें जबरन ऐसे कागजात पर हस्ताक्षर करने के लिए मजबूर किया गया था कि उनके मृत रिश्तेदार सुरक्षा बलों के सदस्य थे।

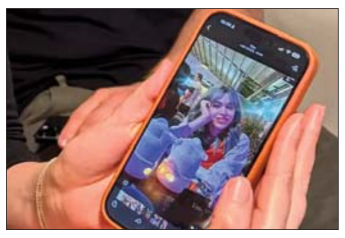

23 साल की रूबिना अमिनियन ईरान के एक कॉलेज में फैशन की पढ़ाई कर रही थीं।

रूबिना के शव को मजबूरन सड़क के किनारे गड्ढे में दफनाया

मिनोई ने बताया कि वापस आते समय सात घंटे की यात्रा के दौरान नोरेई और उनकी सबसे बड़ी बेटी कार की पिछली सीट पर रूबिना के शव को पकड़े बैठी रहीं, उनके कपड़े खून से भीग गए थे। नोरेई ने बताया कि जब वे घर पहुंचीं तो सुरक्षा बलों ने उनके घर को घेर लिया था।

गर्लफ्रेंड के टुकड़े-टुकड़े किए, नीले बक्से में रखे

झांसी में 7 दिन से एक-एक अंग जला रहा था, ऑटो में बक्सा रखकर भागा

वारदात

तमसा संकेत, एजेंसी

झांसी। उत्तर प्रदेश के झांसी से एक रोंगटे खड़े कर देने वाला मामला सामने आया है, जहां एक रिटायर्ड रेलकर्मी ने अपनी लिव-इन पार्टनर की बेरहमी से हत्या कर दी। आरोपी ने न सिर्फ महिला की हत्या की, बल्कि शव के टुकड़े-टुकड़े कर उन्हें ठिकाने लगाने के लिए एक खौफनाक योजना बनाई। वह सात दिनों तक रोज एक-एक अंग जलाता रहा और आखिरकार बचे हुए अधजले अंगों, हड्डियों और राख को नीले रंग के बक्से में भरकर फेंकने जा रहा था। इसके बाद पुलिस ने ऑटो चालक की निशानदेही पर आरोपी के घर पर दबिश दी और बृजभान को हिरासत में ले लिया। "बक्से से अजीब बदबू आ रही थी और अंदर से हड्डियों जैसी चीजें महसूस हो रही थीं। आरोपी ने कहा कि यह घर का सामान है। चिलू वाली गली में उतरवाने के बाद वह खुद बक्सा उठाकर ले गया। उसके साथ कुल चार लोग भी थे। शक होने पर मैंने पहले अपने भाई को सूचना दी और फिर पुलिस को कॉल किया।"

झांसी में प्रेमिका की हत्या टुकड़ों में लाश जलाई।

ऑटो चालक की सतर्कता से खुला राज

शनिवार देर रात आरोपी बृजभान ने एक ऑटो बुक किया। वह नीले रंग के बक्से के साथ ऑटो में सवार हुआ। ऑटो चालक को बक्से से तेज बदबू आने और पानी टपकने पर शक हुआ। मामला संदिग्ध लगने पर चालक ने रात करीब 2 बजे पुलिस को सूचना दे दी।

आरोपी से गहन पूछताछ जारी

पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि हत्या के बाद आरोपी ने शव को ठिकाने लगाने के लिए घर में ही अंग-अंग जलाने की योजना बनाई थी, ताकि पहचान न हो सके। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि इस जघन्य अपराध में आरोपी को किसी और की मदद मिली या नहीं।

मृतका की पहचान, लिव-इन रिलेशनशिप का खुलासा

पुलिस जांच में मृतका की पहचान प्रीति (40 वर्ष) के रूप में हुई है। वह आरोपी बृजभान के साथ झांसी के सीपरी बाजार क्षेत्र स्थित ब्रह्म नगर में लिव-इन रिलेशनशिप में रह रही थी। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि दोनों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जब बक्सा खोला गया तो सभी के होश उड़ गए। बक्से के अंदर एक अधजला शव मौजूद था।

"इस घटना के बाद ब्रह्म नगर और आसपास के इलाकों में सनसनी फैल गई है। स्थानीय लोग आरोपी की हैवानियत से स्तब्ध हैं। पुलिस ने मौके से सबूत जुटाए हैं और फॉरेंसिक टीम को भी जांच में लगाया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले में सख्त कार्रवाई की जाएगी और सभी पहलुओं की गहराई से जांच की जा रही है।

ऑटो चालक जय सिंह पाल ने बताया- 400 रुपए में ऑटो बुक किया था। चार लोग थे। एक बक्से को रखकर ले गए।

400 रुपये में बुक किया गया था ऑटो

ऑटो चालक जय सिंह पाल ने पुलिस को बताया कि आरोपी बृजभान मोहल्ले में ही रहता है। उसने 400 रुपये में ऑटो बुक किया था। बृजभान अपने घर से एक भारी बक्सा लेकर आया। चालक ने बक्सा ले जाने से मना किया, लेकिन आरोपी ने जबरदस्ती उसे ऑटो में रखवाया।

प्लॉट विवाद में हवाई फायरिंग, दुबग्गा में दहशत

कब्जे को लेकर दो गुट भिड़े, सीसीटीवी में कैद हुई फायरिंग

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में प्लॉट पर कब्जे को लेकर दो गुट आपस में भिड़ गए। एक गुट के लोगों ने दहशत बनाने के लिए हवाई फायरिंग और पत्थरबाजी की। तमसा संकेत को इससे जुड़ा एक वीडियो मिला है। इसमें एक युवक फायरिंग करते दिख रहा है। घटना दुबग्गा थाना क्षेत्र के बाजार इलाके में रविवार को हुई। दूसरा गुट कार्रवाई को लेकर दुबग्गा थाने पहुंचा है। पुलिस ने थाने में दोनों पक्षों के लोगों को बुलाया है। मौके पर गहमागहमी का माहौल है। पुलिस दोनों पक्षों को समझाने की कोशिश कर रही, जबकि पीड़ित पक्ष कार्रवाई की मांग पर अड़ा है। अमीनाबाद में रहने वाले प्लॉट मालिक फाहम जाहिर ने बताया कि यह पहली घटना नहीं है। 2 दिन पहले भी देर रात दबंगों ने प्लॉट पर काम कर रहे मजदूरों के साथ मारपीट की थी। हवाई फायरिंग कर आतंक फैलाया था। फाहम जाहिर ने इस संबंध में थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। लेकिन,

पुलिस ने अब तक न तो कोई मुकदमा दर्ज किया और न ही कोई ठोस कार्रवाई की। प्लॉट मालिक ने बताया- रविवार दोपहर करीब 2 बजे बदमाश एक बार फिर प्लॉट पर पहुंचे। उन्होंने खुलेआम कई राउंड हवाई फायरिंग की और मौके से भाग गए। यह पूरी घटना पास में लगे सीसीटीवी में कैद हो गई है। इसमें बदमाशों की गतिविधियां स्पष्ट रूप से देखी जा सकती हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर पुलिस समय रहते सख्त कार्रवाई करती, तो दबंगों के हौसले इतने बुलंद नहीं होते।

फास्ट न्यूज

लगातार तीसरे दिन जबरदस्त कोहरा

लखनऊ। लखनऊ में शनिवार की रात सबसे सर्द रही। पारा सामान्य से 3.4 डिग्री सेल्सियस गिरकर 4.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं, लगातार आज भी जबरदस्त कोहरा पड़ा। सुबह 9 बजे से धूप खिली जिससे कोहरा का असर कम हो गया। फिलहाल, सुबह और शाम के समय में अधिक ठंड बनी हुई है। कल दोपहर के समय में मौसम साफ रह रहा है।

जनेश्वर मिश्र पार्क में काउंटर कम, सड़क हो रही जाम

लखनऊ। गोमतीनगर विस्तार स्थित जनेश्वर मिश्र पार्क में काउंटर होने से सामने की सड़क जाम हो रही है। टिकट काउंटर की कतार सड़क तक पहुंच जाती है जिससे ट्रैफिक बाधित होता है। ऐसा एक पत्र गोमती-नगर विस्तार पुलिस ने लखनऊ विकास प्राधिकरण (LDA) को लिखा है। कि पार्क के अंदर काउंटर बढ़वा लें जिससे जाम की समस्या से निजात मिल सके। पुलिस के अनुसार, अवकाश के दिनों, वीकेंड और बड़े त्योहारों पर जनेश्वर मिश्र पार्क में भारी संख्या में लोग पहुंचते हैं। पहले भी कई बार अत्यधिक भीड़ के कारण पार्क के बाहर और आसपास की सड़कों पर लंबा जाम लग चुका है। इन मौकों पर यातायात पूरी तरह बाधित हुआ और पुलिस को स्थिति संभालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी।

अखिलेश यादव पर मानहानि का केस दर्ज

सनी गुप्ता, संभल। अखिलेश यादव के खिलाफ वकील विष्णु शंकर जैन ने दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट में मानहानि का मुकदमा दर्ज कराया है। इसमें सपा प्रमुख से प्रतीकात्मक रूप से 1 के हर्जाने की मांग की है। उनका आरोप है कि 24 नवंबर 2024 को संभल हिंसा के लिए अखिलेश और सपा के 'X' हैंडल से उन्हें जिम्मेदार ठहराया गया था। संभल मामले में विष्णु शंकर जैन हिंदू पक्ष के वकील हैं।

पिता बोले- बेटे ने कहा था बारात में सबको बुलाना, आज हर कोई आया है...

युवक-युवती के शव पहुंचे गांव, लोगों का हंगामा

अर्पित के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव के लोग उन्हें संभाल रहे हैं।

- जाम की सूचना पर पुलिस भी पहुंच गई। लोगों की काफी भीड़ लगी हुई है।
- मृतक के पिता का रो-रोकर बुरा हाल है। आसपास के लोग संभाल रहे हैं।
- हादसे के बाद स्कॉर्पियो सवार गाड़ी छोड़कर फरार हो गया था।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के बंथरा थाना क्षेत्र में हुए दर्दनाक सड़क हादसे में मारे गए युवक-युवती के शव रविवार को उनके गांव पहुंचे। इस दौरान परिजनों और गांववालों ने बंथरा-कानपुर रोड जाम कर हंगामा कर दिया। वे 50 लाख रुपए मुआवजा और एक

नौकरी की मांग करने लगे। मृत युवक के पिता डेडबॉडी देखकर रो पड़े। उन्होंने कहा- बेटे ने कहा था कि बारात में सबको बुलाना। आज हर कोई आया है। सड़क जाम की सूचना मिलते ही बंथरा और कृष्णानगर थाना पुलिस पहुंच गई। एसीपी कृष्णानगर रजनीश वर्मा भी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति संभालने की कोशिश की।

दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। अर्पित की शादी 25 फरवरी को होनी थी। पुलिस ने अर्पित के पिता की तहरीर पर एफआईआर दर्ज की है। एसीपी कृष्णा नगर रजनीश वर्मा ने घटनास्थल पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की थी। पुलिस ने स्कॉर्पियो को अपने कब्जे में ले लिया।

खून से लथपथ बॉडी के लोग वीडियो बनाते रहे

दोनों खून से लथपथ करीब आधे घंटे तक पड़े रहे। राहगीर वीडियो बनाते रहे। पुलिस आई तो उन्हें अस्पताल लेकर गई। भीषण टक्कर लगते ही दोनों स्कूटी से उछलकर 5 फीट दूर पेड़ से टकरा गए। फिर सड़क किनारे 15 फीट खाई में जा गिरे थे। वह अपनी दोस्त को छोड़ने बनी-मोहान रोड से कटी बगिया अमेजन वेयरहाउस जा रहा था। काजल वेयरहाउस में काम करती थी।

नशे में था स्कॉर्पियो का ड्राइवर

स्थानीय लोगों का कहना है कि स्कॉर्पियो का ड्राइवर नशे में था। पुलिस जांच में सामने आया कि गाड़ी का रजिस्ट्रेशन पास के ही मिर्जापुर गांव के रहने वाले बलवीर के नाम से है।

संजय सिंह के नेतृत्व में पदयात्रा मिर्ज़ापुर से वाराणसी तक पहुँची

तमसा संकेत,संवाददाता

लखनऊ वाराणसी। उत्तर प्रदेश में बेरोज़गारी और सामाजिक अन्याय के खिलाफ़ आम आदमी पार्टी की "रोज़गार दो-सामाजिक न्याय दो" पदयात्रा रविवार को अपने तीसरे दिन भी जोरदार समर्थन के साथ जारी रही। आप यूपी प्रभारी और राज्यसभा सांसद संजय सिंह के नेतृत्व में यह यात्रा मिर्ज़ापुर से शुरू होकर वाराणसी के जखनी और जमुनी स्थित श्री कृष्ण बैंक्वेट एवं मैरिज लॉन तक पहुँची। मिर्ज़ापुर से वाराणसी तक रास्ते भर युवाओं, महिलाओं, बुजुर्गों और वकीलों ने पुष्पवर्षा और फूलों की मालाएं पहनाकर पदयात्रा का स्वागत किया। लोग "रोज़गार दो-सामाजिक न्याय दो" के नारे लगाते हुए शामिल हुए। इस दौरान पदयात्रा धीरे-धीरे जनआंदोलन का रूप ले रही है। संजय सिंह ने कहा कि भाजपा सरकार ने वाराणसी के ऐतिहासिक मणिकर्णिका घाट को तहस-नहस किया

है। उन्होंने आरोप लगाया कि घाट के पौराणिक मंदिर, मां गंगा के मंदिर और शिवालय तोड़े गए, अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा भी क्षतिग्रस्त हुई। इस पर सत्य उजागर करने वाले संजय सिंह पर एफआईआर दर्ज कर दी गई। उन्होंने इसे भाजपा की तानाशाही का उदाहरण बताया। संजय सिंह ने पदयात्रा के दौरान कहा कि यह यात्रा दलित, पिछड़े, शोषित और वंचित समाज को उनका हक़ दिलाने और युवाओं को रोजगार देने के उद्देश्य से निकाली गई है। उन्होंने कहाः संजय सिंह ने कहा कि नौजवान बेरोज़गारी की मार झेल रहे हैं। भर्ती परीक्षाओं में लगातार पेपर लीक और गड़बड़ियां हो रही हैं। सरकार केवल वादे करती है, लेकिन रोजगार नहीं देती। सांसद ने कहा कि या तो सरकार युवाओं को रोजगार दे या प्रत्येक बेरोजगार युवा को 10,000 रुपये मासिक बेरोज़गारी भत्ता दिया जाए। उन्होंने सुझाव दिया कि इसे मुफ़्त न दिया जाए, बल्कि प्रतिदिन 2 घंटे कोई सरकारी कार्य लिया जाए। संजय सिंह ने कहा कि यूपी में दलितों और पिछड़ों के साथ भेदभाव और हिंसा बढ़ गई है। आरक्षण में हेराफेरी और पुलिस थानों में पक्षपात आम हो गया है। उनका उद्देश्य हर गरीब, हर दलित और हर नौजवान को समान अवसर और सम्मान दिलाना है। संजय सिंह ने स्कूलों में संविधान की शिक्षा को अनिवार्य किए जाने की मांग की। उन्होंने कहा कि देश में नफरत, भेदभाव और असहिष्णुता बढ़ रही है क्योंकि लोग संविधान की मूल भावना से दूर हैं।

ट्रक की ठोकर से हवा में 10 फीट उछला टोलकर्मी

झांसी टोल प्लाजा पर दो कारों को रौंदा, बैरियर तोड़कर भागने लगा

तमसा संकेत, एजेंसी

झांसी। झांसी में एक बेकाबू ट्रक ने दो कारों को टक्कर मारते हुए टोल प्लाजा पर ड्यूटी कर रहे एक कर्मचारी को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि टोलकर्मी करीब 10 फीट उछलकर एक कार पर जा गिरा और शीशा तोड़ते हुए उसमें फंस गया। हादसे में टोलकर्मी को गंभीर चोटें आईं, जबकि कार सवार तीन लोग भी घायल हो गए। टक्कर के बाद ट्रक चालक बैरियर तोड़ते हुए मौके से फरार होने लगा, लेकिन लोगों ने दौड़ाकर उसे पकड़ लिया। सभी घायलों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह घटना शनिवार को झांसी–कानपुर हाईवे पर मोंठ थाना क्षेत्र स्थित एक टोल प्लाजा की है। घायल टोलकर्मी की पहचान रमाकांत रिछारिया के रूप में हुई है। वह जालौन जिले के उरई के रहने वाले हैं। मोंठ क्षेत्र में सेमरी टोल प्लाजा पर उरई के रहने वाले रमाकांत रिछारिया (56) कार्य करते हैं। शनिवार को टोल पर उनकी

ड्यूटी थी। दोपहर में टोल पर पहुंची एक कार के फास्टैग से पेमेंट में दिक्कत हो रही थी। पीछे भी एक कार आकर खड़ी हो गई। पेमेंट में देरी को देखते हुए रमाकांत अपने बूथ से निकलकर कार के पास पहुंचे। टोलकर्मियों के अनुसार, वह मोबाइल से कार में लगे फास्टैग को स्कैन करने लगे। उसी दौरान एक ट्रक तेज स्पीड से पीछे से आया। कोई कुछ समझ पाता इसके पहले ट्रक दोनों कारों को ठोकर मारते हुए टोल कर्मी को उड़ाते हुए आगे बढ़ गया। बेकाबू ट्रक की ठोकर से दोनों कार करीब 50 मीटर तक घिसटती रहीं।

कानपुर मेयर ने सिर झुकाकर सीएम का स्वागत किया

कानपुर। कानपुर में कैबिनेट मंत्री राकेश सचान की बेटी की शादी में शामिल होने के लिए रविवार सुबह से ही VVIP के आने का सिलसिला जारी है। CSA यूनिवर्सिटी के हेलिपैड में CM योगी का हेलीकॉप्टर उतरा। स्वागत में खड़ी मेयर प्रमिला पांडेय ने सिर झुकाकर CM का अभिनंदन किया। इसके अलावा साथ में खड़े विधायकों ने पैर छूकर CM से आशीर्वाद लिया। CM के साथ में कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह भी रहे। इनके अलावा CSA परिसर में बने दूसरे हेलीपैड में पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद का हेलिकॉप्टर उतरा। भाजपा के नेताओं ने पूर्व राष्ट्रपति का स्वागत किया। अपने शहर में उतरते ही सभी से हाथ जोड़कर अभिनंदन किया। मीडिया से बातचीत करते हुए पूर्व राष्ट्रपति ने शहरवासियों को नए साल और मौनी अमावस्या की शुभकामनाएं दीं। इसके बाद CM योगी और पूर्व राष्ट्रपति बिठूर स्थित कार्यक्रम स्थल के लिए रवाना हो गए। इनके अलावा MP के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव समेत 10 से ज्यादा VVIP भी शहर पहुंचे हैं। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल भी कानपुर आई हैं।

घटना : सीतापुर में एक घंटे तक आलमारी-बक्से तोड़ते रहे, 50 लाख के गहने-कैश लूटे

रिटायर्ड लेखपाल के घर में बेटे-बहू को बंधक बनाकर डकैती

तमसा संकेत, एजेंसी

सीतापुर। यूपी के सीतापुर में बदमाशों ने रिटायर्ड लेखपाल के घर पर बेटे-बहू को बंधक बनाकर 50 लाख के गहने और नकदी लूट लिए। 6 बदमाश छत के रास्ते घर में घुसे। असलहे के दम पर परिवार के 6 लोगों को बंधक बना लिया। सभी के मोबाइल फोन छीन लिए। महिलाओं और पुरुषों को अलग-अलग कमरों में बंद कर दिया। इसके बाद एक घंटे तक पूरे घर को खंगालते रहे। बदमाशों ने घर के सभी बक्से और आलमारियों को तोड़-तोड़कर 45 लाख के गहनों के साथ 5 लाख नकद लूट लिए। लूट के बाद बदमाशों ने परिवार वालों को जान से मारने की धमकी दी और मौके से फरार हो गए। बदमाशों के जाने के बाद पीड़ित परिवार

किसी तरह बाहर आया। पुलिस को फोन कर घटना की जानकारी दी। पुलिस, फोरेंसिक टीम और डॉग स्क्वायड के साथ मौके पर पहुंची। आसपास के लोगों से पूछताछ कर सबूत जुटाए। मामला तालगांव थाना क्षेत्र के रसूलपुर गांव का है। इसके बाद अलमारी तोड़कर उसमें रखे मेरी पत्नी के गहने और छोटे भाई की पत्नी के गहने, जिनकी कीमत करीब 45 लाख हैं।

पुष्कर ने बताया कि शनिवार को घर के सभी लोग खाना पीना खाकर सो रहे थे। तड़के करीब 3 बजे 6 बदमाश छत के रास्ते घर में घुस आए। इसके बाद एक-एक करके सभी के कमरे में गए और रजाई हटाकर असलहे के बल पर परिवार के सभी सदस्यों को बंधक बना लिया।

- बेल्चक से अलमारी तोड़कर उसमें रखे गहने और कैश बदमाशों ने लूट लिए।
- लूट के बाद घर में बिखरा सारा सामान। बदमाशों ने बेड के अंदर भी रखे सामान निकाले।

45 लाख के गहने और 5 लाख कैश ले गए

बदमाशों ने घर के पुरुषों को एक कमरे में बंद कर दिया और महिलाओं-बच्चों को दूसरे कमरे में बंद कर दिया। सभी के फोन ले लिए और उन्हें बाहर रख दिया। ताकि कोई पुलिस या आसपास के लोगों से संपर्क न कर सके।

खेत के बीच बने मकान में लूट

रसूलपुर गांव के रहने वाले अमर सिंह वर्मा राजस्व विभाग में लेखपाल थे। 5 साल पहले रिटायर हो गए थे। उनके पास गांव में 45 बीघा जमीन है। बस्ती से कुछ दूर खेत के बीच में ही उन्होंने घर बनवा रखा है।

पृष्ठ 01 का शेष...

दावा : शिंदे गुट ने ...

इस पर भाजपा-शिंदे गुट में खींचतान शुरू हो गई है। इधर, रविवार को उद्धव गुट के संजय राउत ने दावा किया है कि एकनाथ शिंदे खुद नहीं चाहते कि BMC में भाजपा को मेयर बने। इसलिए वे पार्षदों को होटल में रखे हुए हैं। वहीं, मुंबई में दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी उद्धव ठाकरे की शिवसेना (UBT) ने यह कहकर अटकलों को और बढ़ा दिया कि अगर 'भगवान' चाहेंगे तो उनकी पार्टी का मेयर हो सकता है। मुंबई के 227 वार्डों में से भाजपा ने 89 वार्ड जीते हैं। शिंदे गुट ने 29 वार्ड जीते हैं। बहुमत के आंकड़े 114 के लिए भाजपा को शिंदे गुट के 29 पार्षदों की जरूरत है। उद्धव के 'मराठी कार्ड' खेलने से शिंदे गुट के पार्षदों की संख्या सीमित रह गई। अब शिंदे गुट ने मेयर पद का दांव चला है। अगर भाजपा यह मांग नहीं मानती, तो सत्ता के समीकरण बिगड़ सकते हैं। इसके चलते शिंदे ने तय किया है कि होटल में ही बैठक कर पार्टी नेता का चुनाव किया जाएगा। शिंदे गुट का पार्षदों को होटल में रखना, 2022 की उस बगावत की भी यादें ताजा कर रहा है, जिसके कारण शिवसेना टूट गई थी। दरअसल, मई 2022 महाराष्ट्र सरकार में नगर विकास मंत्री और शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे ने 39 विधायकों के साथ बगावत कर दी थी। शिंदे ने मणिपुर के नबाम रेबिया केस का फायदा उठाया था, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने सत्ता से बागी हुए विधायकों की सरकार बना दी थी। साथ ही शिंदे ने महाराष्ट्र विधानसभा में डिप्टी स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दे दिया था, ताकि डिप्टी स्पीकर शिंदे गुट के 16 विधायकों की अयोग्यता पर फैसला न ले पाएं। इस पूरे घटनाक्रम के दौरान शिवसेना के 15 विधायक, 10 निर्दलीय विधायकों के साथ 20 जून 2022 के साथ पहले सूरत फिर गुवाहाटी चले गए। 23 जून को शिंदे ने दावा किया उन्हें 35 विधायकों का समर्थन हासिल है। इसके बाद फ्लोर टेस्ट, उद्धव के इस्तीफे बाद 30 जून 2022 को शिंदे मुख्यमंत्री बने। यहीं से पार्षदों की खरीद-फरोख्त और दलबदल का खतरा नजर आ रहा है। ठाकरे परिवार अगर 8 पार्षदों को अपने साथ मिलाने में कामयाब होता है तो BMC पर भाजपा का कब्जा रोक सकती है। बीएमसी चुनाव में हार के बाद मुंबई कांग्रेस की आंतरिक कलह सड़कों पर आ गई है। हार का ठीकरा मुंबई अध्यक्ष वर्षा गायकवाड़ पर फोड़ने वाले नेता जगताप को कांग्रेस आलाकमान ने 'कारण बताओ' नोटिस जारी किया है।

'35 करोड़ लोगों ...

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में पिछले पौने नौ वर्षों में उत्तर प्रदेश ने स्वास्थ्य क्षेत्र में ऐतिहासिक परिवर्तन किया है, जिसके परिणाम आज जमीनी स्तर पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के लागू होने से पहले किसी गरीब परिवार में यदि कोई गंभीर रूप से बीमार हो जाता था, तो पूरा परिवार भय और आर्थिक संकट में घिर जाता था। इलाज अधूरा छूट जाता था, क्योंकि न सरकार का सहयोग होता था और न ही संसाधन। आज उत्तर प्रदेश में 5.5 करोड़ परिवारों को आयुष्मान गोल्डन कार्ड जारी किए जा चुके हैं, जिनके माध्यम से प्रति परिवार 5 लाख तक की निशुल्क स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। जो पात्र परिवार किसी कारणवश आयुष्मान योजना में शामिल नहीं हो सके, उन्हें मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के माध्यम से कवर किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आयुष्मान कार्ड एक अतिरिक्त सुरक्षा कवच है। प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों, जिला अस्पतालों, सीएचसी, पीएचसी तथा हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर्स में सभी नागरिकों को बिना किसी भेदभाव के निःशुल्क इलाज उपलब्ध कराया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रिमोट का बटन दबाकर UP-IMRAS सॉफ्टवेयर का लोकार्पण किया। यह अत्याधुनिक एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म क्लिनिकल ट्रायल, फार्मास्यूटिकल्स एवं मेडिकल डिवाइसेज़ से जुड़े अनुसंधान कार्यों को सरल, पारदर्शी और समयबद्ध बनाने के उद्देश्य से विकसित किया गया है। इस सॉफ्टवेयर के माध्यम से अब शोधकर्ता अपनी सभी अनुसंधान संबंधी आवश्यकताएं, प्रस्ताव एवं अनुमतियां पूरी तरह ऑनलाइन प्रस्तुत कर सकेंगे। साथ ही इंस्टीट्यूशनल एथिक्स कमेटी (IEC) द्वारा अनुमोदन, समीक्षा और निगरानी की संपूर्ण प्रक्रिया भी डिजिटल रूप से इसी प्लेटफॉर्म पर संपन्न होगी, जिससे समय की बचत के साथ-साथ शोध कार्यों में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित होगी। इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने इंस्टीट्यूशनल एथिक्स कमेटी के लिए स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (SOPs) से संबंधित पुस्तक का विमोचन भी किया। इस पुस्तक में कुल 22 प्रकार के SOPs का विस्तृत संकलन किया गया है, जिससे क्लिनिकल ट्रायल्स एवं उनसे जुड़ी सभी प्रक्रियाओं में एकरूपता, नैतिकता और गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके।महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

सोनम जेल में ...

तो वह मुझसे चींटियों के व्यवहार पर किताबें लाने के लिए कहते हैं। उन्होंने कहा कि चींटियों के समुदाय में बहुत एकता, बहुत टीम भावना होती है। तो, शायद वह उसका अध्ययन करना चाहते हैं। क्योंकि उनके पास लंबे समय तक घड़ी नहीं थी। वांगचुक को मैकेनिकल घड़ियों सहित कोई भी डिवाइस रखने की इजाजत नहीं है।

बेकाबू कार ने 2 साइकिल सवारों को कुचला, मौत

रिक्शा और 2 गाड़ियों को भी टक्कर मारी

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर के सुजातगंज इलाके में रविवार सुबह भीषण सड़क हादसा हो गया। कोहरे में बेकाबू इनोवा कार ने दो साइकिल सवारों को टक्कर मार दी, जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और राहगीरों की भीड़ जुट गई। घटना थाना रेलबाजार क्षेत्र के सुजातगंज में सुबह करीब 7 बजे हुई। श्यामनगर निवासी कार चालक इम्तियाज अपनी इनोवा से श्यामनगर रोड से सुजातगंज की ओर जा रहे थे। इसी दौरान कार अचानक बेकाबू हो गई और सड़क पर जा रहे साइकिल सवार प्रशांत झा और शैलेश को कुचल दिया। इसके बाद कार ने एक ई-रिक्शा और दो अन्य गाड़ियों को भी टक्कर मारी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों साइकिल सवारों और घायल कार चालक को अस्पताल

भिजवाया। डॉक्टरों ने प्रशांत झा और शैलेश को मृत घोषित कर दिया, जबकि चालक इम्तियाज की हालत गंभीर बनी हुई है और उसका इलाज जारी है। थाना प्रभारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि मृतकों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है और हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676